



सीआरपीएफ जवान ने पत्नी की हत्या के बाद खुद भी दे दी जान

गोपाल। सीआरपीएफ के जवान ने बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात अपनी पत्नी को गोली मारने के बाद सख्तरी शराफेल से खुद को भी गोली मार ली। पत्नी को गोली मारने के बाद आरक्षक ने पुलिस और मकान मालिक को सूचना भी दी कि मैंने पत्नी को हत्या कर दी। कोई भी उसके मकान पर पहुंच पाता इसके पहले आरक्षक ने खुद को भी गोली मार ली। दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि मृतक अपने परिवार वालों को ज्यादा अहमियत देता था जिसके कारण पति-पत्नी में विवाद होता रहता था। मिसरोद थाना प्रभारी मनीषराज सिंह भदौरिया ने बताया कि रिकवॉरत वर्मा (35) सीआरपीएफ में आरक्षक थे। वर्तमान में उनकी पोस्टिंग बंगरसिया स्थित सीआरपीएफ मुख्यालय में थी। रिकवॉरत मूलतः भिंड जिले के रहने वाले थे। बंगरसिया कैप के पास ही



कपीटल ग्रीन कॉलोनी में अपनी पत्नी श्रेष्ठा वर्मा व दो बच्चों के साथ रहते थे।
यहाँ पर वे किराए के मकान में रहते थे। बुधवार रात करीब डेढ़ बजे रविकांत का अपनी पत्नी से झगड़ा हुआ तो रविकांत ने सरकाराई इन्स्टिट्यूट ईसास से पत्नी श्रेष्ठा को गोली मार दी। गोली लगते ही पत्नी लहनुतूतान होकर जमीन पर गिर गई। इसके बाद रविकांत ने डॉयल 100 गैल बाल कर पुलिस को बताया कि मैंने अपनी पत्नी की

हत्या कर दी। इसके बाद रविकांत ने मकान मालिक को भी पत्नी की हत्या करने की बात बता दी। पुलिस अथवा मकान मालिक रविकांत के घर तक पहुँच पाते। इसके पहले ही रविकांत ने सरकारी राइफल से खुद को भी गोली मार ली। पुलिस जब मौके पर पहुँची तो पति-पत्नी लहलुहान हालत में जमीन पर पड़े हुए थे। लेकिन अस्पताल ले जाया गया उसी तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी।

पैसेंजर विमान और हेलिकॉप्टर की टक्कर प्लेन सवार 64 यात्रियों की मौत

वांशिंगटन। अमेरिका की राजधानी वांशिंगटन डीसी में हुए दर्दनाक हवाई हादसे ने पूरी दुनिया को हिला कर रख दिया है। यह हादसा अमेरिकन एयरलाइंस का एक रीजनल पैसेंजर जेट और अमेरिकी सेना के ब्लैक हॉक हेलिकॉप्टर के टकराने की वजह से हुआ। हादसे के बाद दोनों विमान पोटोमैक नदी में गिर गए। अब तक 28 लोगों के शव हादसे के बाद बरामद किए गए हैं, जबकि विमान में 64 लोग सवार थे। अब उड़ सताने लगा है कि कहीं प्लेन में सवार सभी 64 लोगों को मौत न हो गई हो। एक्सपर्ट्स का कहना है कि इतनी ठंडी नदी में गिरने के बाद इतनी पर्सनल 15-30 मिनट तक ही होश में रह सकता है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, यह हादसा बुधवार रात रीगन वांशिंगटन नेशनल एयरपोर्ट के पास हुआ। अमेरिकी अधिकारियों ने मृतकों की आधिकारिक संख्या की पुष्टि



नहीं की है, लेकिन कंसास से अमेरिकी सीनेटर रोजर मार्शल संकेत दिया कि विमान में सवारों को अंधकाश लोगों की मौत हो चुकी है। उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति को ज़ख्मिल जवाब देना, तो यह दिल दहला देने वाली घटना होती है। अमेरिकन-नए एयरलाइंस ने पुष्टि की है कि प्लेन में 60 यात्री और 4 कर्मचारी सवारों की मौत हो गई। वहीं, ब्लैक हॉक हेलिकॉप्टर में तीन सैनिक मौजूद थे जो ट्रेनी मिशन पर थे। हादसे के बाद से

रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। स्थानीय मॉडिया रिपोर्टों के मुताबिक, अब तक 28 शव बरामद किए जा चुके हैं और प्लेन का एक ब्लैक बॉक्स भी खोज लिया गया है। बताया जा रहा है कि यह टकराव तब हुई जब यात्री विमान कंसास के विंचिटा से उड़ान भरकर रीगन एयरपोर्ट पर लैंडिंग के लिए तैयार हो रहा था। एयर ट्राॅफिक कंट्रोल (एटीसी) और हेलिकॉप्टर वरू के बीच हुई बातचीत से यह संकेत मिलता है कि हेलिकॉप्टर पायलट को प्लेन की मौजूदगी की जानकारी थी।

पंजाब के सीएम भगवंत मान के घर तलाशी
लेने पहुंची चुनाव आयोग की टीम

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव के बीच पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के दिल्ली स्थित घर कपूरथला हाउस पर गुजराती को चुनाव आयोग की टीम तलाशी देने पहुंची। कपूरथला हाउस के बाहर बड़ी संख्या में सुरक्षाबल तैनात किया गया।

मान के घर पहुंचे रिटर्निंग ऑफिसर ओपी सिंह ने कहा कि हमें पैसे बांटने की शिकायत मिली है। हमें 100 मिनट में शिकायत का निपटारा



करना है। हमारी फ्लाईंग स्कॉयड टीम यहां आई थी, जिसे अंदर नहीं जाने दिया गया। मैं उनसे अनुरोध

करने आया हूं कि हमें एक कैमरापर्सन के साथ अंदर जाने दिया जाए। पैसे बांटने की शिकायत ए

नेवी की दो महिला ऑफिसर ने 'प्वाइंट नीमो' पहुँचकर किया

नई दिल्ली। इंडियन नेवी के जलयान तारिणी ने दो महिला नौसेना अधिकारियों के साथ अपनी वैश्विक जलयान के दौरान प्वाइंट निमो को पार कर लिया है। यह इन्ट निमो अधिकारियों साहस और साहसिक भावना का सबूत है। प्वाइंट निमो समुद्र में सबसे दुर्गम स्थान है, जो किसी भी भूमि से सबसे दूर है। यह का नाविका के सगर परिक्रमा- 2 का हिस्सा है, जो भारतीय नौसेना का एक अभियान है। इसका लक्ष्य तीन महान केप के माध्यम से दुनिया की दोहरी जलयान पूरी करना है। आईएनएसवी तारिणी पर सवार लेफ्टिनेंट कमांडर

दिलना के और लेफ्टिनेंट कमांडर
रूपा ए ने न्यूजीलैंड के लिटलटन
से फॉकलैंड द्वीप के पोर्ट स्टेनली
तक की अपनी यात्रा के तीसरे
चरण के दौरान गुरुवार को 0030
बजे (आईएसटी) प्वाइंट निमो को
पार किया। भारतीय नौसेना की
ओर से जारी बयान में यह
जानकारी दी गई।

2 अक्टूबर 2024 को शुरू की थी यात्रा तारिणी ने 2 अक्टूबर 2024 को गोवा से अपनी यात्रा शुरू की थी। यह 22 दिसंबर को न्यूजीलैंड के लिटलटन बंदरगाह पर पहुंचा था, जिससे अभियान का दूसरा चरण पूरा हो गया। चालक दल इस महीने की



शुरुआत में लिटलटन से यात्रा के सबसे लंबे चरण के लिए रवाना हुआ, जो फॉकलैंड द्वीप समूह के

मुख्यमंत्री की चार दिवसीय जापान यात्रा का तीसरा दिन

सीएम मोहन यादव ने 'सिस्मेक्स' और 'पैनासोनिक एनर्जी' को दिखाया 'आकाश'

कोबे। मध्यप्रदेश में निवेश लाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव चार दिवसीय जापान दौरे पर हैं। दौरे के तीसरे दिन गुरुवार को मुख्यमंत्री ने जापान के कोबे शहर में सिस्मेक्स कॉरपोरेशन सॉल्यूशन सेंटर का दौरा किया और कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मेडिकल टेक्नोलॉजी और जीवन विज्ञान क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की। इस दौरान, उन्होंने सिस्मेक्स की अत्याधुनिक मेडिकल डिवाइस निर्माण तकनीक अवलोकन किया और मध्यप्रदेश में इस क्षेत्र के विकास के लिए सिस्मेक्स को आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री ने सिस्मेक्स अधिकारियों से बाचीत करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में कलेटेकयर और मेडिकल टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में निवेश के लिए अपार संभावनाएं हैं। राज्य



सिस्मैक्स सिस्मैक्स कॉर्पोरेशन, जापान के कोबे शहर में स्थित एक प्रमुख डायनोस्टिक कंपनी है, जो 1968 में स्थापित हुई थी। यह कंपनी हेमेटोलॉजी, यूरिनलिसिस और जीवन विज्ञान निदान के क्षेत्रों में अग्रणी है, जो उन्नत तकनीक के उपकरण के माध्यम से रोगों का सटीक पता लगाने और निगरानी करने में माहिर है। सिस्मैक्स व्यक्तिगत चिकित्सा और एआई-संचालित स्वास्थ्य समाधानों के क्षेत्र में सबसे आगे है। करीब 190 से अधिक देशों में इसकी उपस्थिति है, और इसके क्षेत्रीय मुख्यालय अमेरिका, यूरोप, और एशिया-प्रशांत में स्थित हैं, जो स्थानीय समर्थन प्रदान करते हैं। सिस्मैक्स स्थिरता और पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं को अपने संचालन और उत्पाद विकास में प्रमुखता से शामिल करता है। चिकित्सा विज्ञान और स्वास्थ्य देखभाल नवाचार में इसके योगदान को वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त है, और यह कंपनी वैश्विक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में एक परिवर्तनकारी भूमिका निभा रही है।

पैनासोनिक एनर्जी के अधिकारियों से भी की बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जापान यात्रा के तीसरे दिन पैनासोनिक एनर्जी कंपनी के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में पैनासोनिक के अधिकारियों से मध्यप्रदेश में निवेश के अवसरों और सहयोग की संभावनाओं पर गहन चर्चा की

पाई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार औद्योगिक विकास के लिए हर संभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने पैनासोनिक एनर्जी से अपेक्षाएँ जताईं कि वह राज्य में अपनी स्किल डेवलपमेंट पहल को बढ़ावा दे, ताकि प्रदेश के युवाओं को बेहतर रोजगार के अवसर मिल सकें। मुख्यमंत्री ने पैनासोनिक एनर्जी को ऊर्जा भण्डारण और सस्टेनेबल बैटरी निर्माण के लिए पीथमपुर में अपनी इकाई का विस्तार करने का प्रस्ताव दिया। उन्होंने प्रदेश में रिसर्च और डेवलपमेंट केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव भी दिया। इससे प्रदेश में प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में वृद्धि हो सकेगी।

पैनासोनिक की नई यूनिट्स स्थापित करने पर चर्चा मुख्यमंत्री ने पैनासोनिक एनर्जी के साथ मध्यप्रदेश में विशेष रूप से इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी निर्माण और ऊर्जा भंडारण के क्षेत्र में नई यूनिट्स स्थापित करने पर चर्चा की। उन्होंने प्रदेश की औद्योगिक नीति और पैनासोनिक एनर्जी के लिए विशेष वित्तीय सहायता योजनाओं के बारे में बताते हुए कहा कि इससे पैनासोनिक को मध्यप्रदेश में और अधिक निवेश करने के अवसर मिल सकेंगे। बैटक में पैनासोनिक एनर्जी के अधिकारियों ने अपनी कंपनी की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी दी। पैनासोनिक ने मध्यप्रदेश में ऊर्जा भंडारण और बैटरी निर्माण क्षेत्र में

निवेश करने की अपनी रुचि दर्शाते हुए विश्वास व्यक्त किया कि प्रदेश सरकार का पूर्ण सहयोग मिलेगा।

पैनासोनिक एनर्जी ऊर्जा समाधान में ग्लोबल लीडर है

पैनासोनिक होल्डिंग्स कॉर्पोरेशन की सहायक कंपनी पैनासोनिक एनर्जी लिमिटेड, ऊर्जा समाधान में एक ग्लोबल लीडर है, जिसका मुख्यालय जापान में है। कंपनी लिथियम बैटरी, वाहन में उपयोग के लिए लिथियम-आयन बैटरी, औद्योगिक या उपभोक्ता के लिए लिथियम-आयन बैटरी, भंडारण बैटरी मॉड्यूल आदि उत्पाद बनाती है। कंपनी की निर्माण इकाई उत्तरी अमेरिका, यूरोप और एशिया स्थित है। कंपनी टेस्ला जैसे प्रमुख ऑटोमोटिव ब्रांडों के लिए एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता है।

मग्न में पर्यटन क्षेत्र में भी बहुत संभावनाएं

सिएम में कोबे शहर के इंडिया क्लब में उद्योगपतियों से मिलकर मध्यप्रदेश में निवेश संभावनाओं पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश, ग्लोबल इन्वेस्टमेंट का बेस्ट डेस्टिनेशन बन गया है। यहां विभिन्न क्षेत्रों में निवेश की अपार संभावनाएं हैं और निवेशकों की दिलचस्पी लगातार बढ़ रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश में हीरे और सोने की प्रचुरता के साथ ही समृद्ध वन्यजीव, प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक विरासत का अद्भुत मेल है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में हो हीरे क्षेत्रीय कॉन्फ्लेक्शन की सफलता के बाद ग्लोबल, इन्वेस्टर्स सफ़्ट ने दुनिया के शीर्ष निवेशकों को मध्यप्रदेश की ओर आकर्षित किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जापानी व्यवसायियों की मध्यप्रदेश में विशेष रुचि है, जो औद्योगिक सहयोग और आर्थिक साझेदारी की ओर अधिक मजबूत करेगी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में निवेश के साथ पर्यटन के क्षेत्र में भी बहुत संभावनाएं हैं। मुख्यमंत्री ने कोबे में उद्योगपति भवन झावेरी और सागर रोहेरा को चंदेरी पेंटिंग भेंट की।

स्वाति मालीवाल ने केजरीवाल के घर के बाहर कचरा फेंका, पुलिस ने पकड़ा

नई दिल्ली। 'आप' की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल को गुरुवार को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में ले लिया। मालीवाल दिल्ली में सफाई के मुद्दे पर पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के घर कूड़ा फेंकने गई थीं। इससे पहले मालीवाल लोडिंग ऑटो लेकर बिकासपुरी पहुंचीं। यहां उन्होंने लोगों के साथ सड़क कचरा उठाया और ऑटो में भर केजरीवाल के घर गईं। यहां उन सारा कचरा सड़क पर फेंक दिया। इस दौरान दिल्ली पुलिस उन्हें ब



बार चेतावनी देती रही कि आप सड़क पर कचरा नहीं फेंके, वरना कार्रवाई की जाएगी। हालांकि मालीवाल नहीं मानीं, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया।

मालीवाल ने कहा कि पूरा शहर
कूड़दान में बदल गया है। मैं
केजरीवाल से बात करने आया
हूँ। मैं उससे कहींगुं साधर जाओ
नहीं तो जनता सुधार देगी। मैं न
तो उनके गुंडों से डरती हूँ और
न ही उनको पुलिस से
मालीवाल ने सुबह प्रदर्शन से
पहले कहा था कि ३ बजकर
कचरा लेकर केजरीवाल के घर
पहुँचने वाली हूँ। केजरीवाल ज
डरना मत.. जनता के सामने आना
आए देखना क्या हाल बनाया है
दिल्ली का।

सेटेलाइट का 'कब्रिस्तान' है
प्लाइट नीमो निमो प्लाइट को
 दुर्गमता का महासागरीय ध्रुव कहा
 जाता है। यह पृथ्वी पर सबसे
 दूरस्थ स्थानों में से एक है, जो
 निकटतम भूभाग से लगभग
 2,688 किलोमीटर की दूरी पर
 स्थित है। इसके अलावा के
 कारण, इसे अकसर किसी भी
 मानव निवास से सबसे दूर का
 बिंदु माना जाता है। निकटतम
 मानव उपस्थिति आमतौर पर
 अंतराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर
 होती है, जो इस क्षेत्र के ऊपर
 परिक्रमा करता है। इसके
 अतिरिक्त, प्लाइट निमो एक निर्दिष्ट
 क्षेत्र है जहां अंतरिक्ष एजेंसियां

जानबूझकर उपग्रहों और अंतरिक्ष स्टेशनों सहित सेवामुक्त अंतरिक्ष यान को पृथ्वी के वायुमंडल में फाले से प्रवेश करने और आबादी वाले क्षेत्रों को नुकसान से बचाने के लिए समुद्र में गिराने के लिए मार्गदर्शन करती हैं। इस अलगाव के कारण इसका उपयोग 'सैटेलाइट कब्रिस्तान' के रूप में किया जाने लगा है, जहां 2030 में इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन सहित सेवामुक्त सैटेलाइट को कक्षा से हटा दिया जाता है।

1992 में हुई थी प्लाइंट नीमोमे
की पहचान आधिकारिक तौर पर दुर्गमता के महासागरीय ध्रुव के रूप में जाना जाने वाला, प्लाइंट

निमो की पहचान 1992 में कनाडाई-रूसी इंजीनियर हवॉन लुकाटेला ने की थी। तब से, रूस के मीर अंतरिक्ष स्टेशन और नासा के स्काईलैब सहित अंतरिक्ष यानों के 260 से अधिक टुकड़ों को जानबूझकर वहां दफनाया जा चुका है ताकि उन्हें आबादी वाले क्षेत्रों में गिरने से रोका जा सके। यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी के अंतरिक्ष सुरक्षा कार्यक्रम के प्रमुख होल्गर क्रैंग ने कहा कि प्लाई निमो अपने आस-पास के विशाल, निर्जन महासागरों के कारण अंतरिक्ष मलबे को फिर से प्रवेश करने के लिए सबसे सुरक्षित स्थान है।

लंबी माथापच्ची के बाद...सुमित मिश्रा बने इंदौर के भाजपा नगर अध्यक्ष, श्रवण चावड़ा को मिली ग्रामीण की जिम्मेदारी

इंदौर। लंबी माथापच्ची के बाद इंदौर में बीजेपी जिलाध्यक्षों के नाम की घोषणा हो गई है। इंदौर नगर जिला अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सुमित मिश्रा को दी गई है, जबकि इंदौर ग्रामीण में श्रवण सिंह चावड़ा को जिला अध्यक्ष बनाया गया है। गुरुवार को जिला अध्यक्षों की सूची जारी की गई है। शहर अध्यक्ष के लिए सुमित के अलावा दीपक जैन टीनू भी दौड़ में सबसे आगे थे। सुमित और टीनू दोनों ही कैलाश विजयवर्गीय खेमे से जुड़े हैं। विजयवर्गीय ग्रामीण में अपने कट्टर समर्थक चिंटू वर्मा को फिर से जिला अध्यक्ष नहीं बनवा सके। उन्हें दो साल पहले ही जिम्मेदारी मिली थी। माना जा रहा था कि वर्मा फिर से रिपीट हो सकते हैं। वहीं श्रवण चावड़ा को जिम्मेदारी देने में वीडी शर्मा की खास भूमिका रही। श्रवण जिले के भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष भी रह चुके हैं। श्रवण सिंह चावड़ा, जो लंबे समय से पार्टी के साथ जुड़े रहे हैं, उन्हें ग्रामीण क्षेत्र की कमान सौंपना रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण निर्णय माना जा रहा है। बीजेपी ने जिला अध्यक्षों के चुनाव की रायशुमारी की प्रक्रिया दिसंबर में ही पूरी कर ली थी। लेकिन नेताओं के बीच आपसी खींचतान के चलते जिला अध्यक्षों के नामों का ऐलान करने में 12 दिन का वक्त लग गया। 12 जनवरी को बीजेपी ने सिर्फ दो जिलों- उज्जैन और विदिशा के जिला अध्यक्ष घोषित करके शुरुआत की थी।

सुमित मिश्रा की संगठन पर है पकड़ सुमित मिश्रा को इंदौर नगर का अध्यक्ष बनाए जाने के पीछे उनकी संगठनात्मक क्षमता और पार्टी में सक्रियता को कारण माना जा रहा है। सुमित मिश्रा कुशल वक्ता हैं और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद में भी सक्रिय भूमिका में रहे हैं। वे भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश मंत्री भी रह चुके हैं।



सुमित मिश्रा पिछली बार भी नगर अध्यक्ष पद के दावेदार थे और उनका नाम रायशुमारी में भी शामिल था। तब संगठन ने गौरव रणदिवे को भाजपा का नगर अध्यक्ष बनाया था। उनके कार्यकाल में इंदौर जिले की सभी नौ विधानसभा सीटों पर भाजपा के उम्मीदवार जीते थे। इसके अलावा विधानसभा चुनाव में प्रदेश की सबसे बड़ी जीत भी उनके कार्यकाल में रही।

मेंदोला के करीबी माने जाते हैं सुमित सुमित मिश्रा को विधानसभा क्रमांक 2 के भाजपा विधायक रमेश मेंदोला का करीबी माना जाता है। रमेश मेंदोला भाजपा के प्रभावशाली नेताओं में से एक हैं और संगठन में उनकी मजबूत पकड़ मानी जाती है। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 में उन्होंने रिकॉर्ड तोड़ जीत दर्ज की थी, जिससे उनका राजनीतिक कद और बढ़ गया। उन्होंने भाजपा के लिए इंदौर में जबरदस्त समर्थन जुटाने

में अहम भूमिका निभाई थी।

रायशुमारी में नहीं था चावड़ा का नाम संगठन को शहर से ज्यादा ग्रामीण में किसी एक नाम को चुनने में ज्यादा समय लगा। यहां चिंटू वर्मा की पैरवी विजयवर्गीय ने इसलिए की थी, क्योंकि वे राजेश सोनकर के विधायक बनने के बाद जिला अध्यक्ष बने थे और उनका कार्यकाल भी पूरा नहीं हो पाया था। मंत्री तुलसी सिलावट ने अंतर दयाल का नाम जिलाध्यक्ष के लिए पूरी दमदारी से आगे बढ़ाया था। दयाल को विधायक उषा ठाकुर, मनोज पटेल का समर्थन था और विशाल पटेल की भी इस नाम पर सहमति थी। चिंटू भले ही जिलाध्यक्ष के लिए रिपीट नहीं हो पाए, लेकिन श्रवण चावड़ा की विजयवर्गीय से नजदीकी रही है। चावड़ा और निर्वतमान अध्यक्ष चिंटू वर्मा के बीच भी अच्छा तालमेल है। चावड़ा का नाम तो रायशुमारी में भी प्रमुखता से नहीं था, लेकिन

समझौते में विजयवर्गीय ने चावड़ा के नाम पर उंगली रखी। वहीं श्रवण चावड़ा को जिम्मेदारी देने में वीडी शर्मा की भी खास भूमिका रही। श्रवण जिले के भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

समझौते की राजनीति से निकाला हल इंदौर में अध्यक्षों को लेकर तगड़े दावेदार थे, लेकिन हल समझौते की राजनीति से निकला। विजयवर्गीय ने जिन नामों का दामदारी से समर्थन किया था, वे तो अध्यक्ष नहीं बन पाए, लेकिन समझौता वार्ता में उन नामों पर मुहर लगी, जिन पर विजयवर्गीय को कोई आपत्ति भी नहीं थी। इस लिहाज से मंत्री विजयवर्गीय का खेमा इंदौर की नियुक्तियों में भारी रहा। सुमित मिश्रा और श्रवण सिंह चावड़ा की गिनती भी उनके खेमे में होती है। देपालपुर विधानसभा सीट से चावड़ा की पैरवी विजयवर्गीय ने की थी। इंदौर नगर निगम के लिए फैसला सुमित मिश्रा और दीपक जैन टीनू के बीच होना था। वैसे वीडी शर्मा की पसंद मुकेश राजवात भी थे। मिश्रा और जैन विजयवर्गीय से जुड़े हैं। विजयवर्गीय ने अपने विधानसभा क्षेत्र के होने के नाते जैन को ज्यादा दमदारी से आगे बढ़ाया था, लेकिन मिश्रा की नियुक्ति भी उनके खाते में ही मानी जाएगी, क्योंकि मिश्रा को विधायक मेंदोला का समर्थन था। विधायक मेंदोला और विजयवर्गीय के बीच की राजनीतिक राजनीतिक केमेस्ट्री जगजाहिर है।

सीनियर नेताओं के बीच समन्वय बनाने की कोशिश इंदौर में सबसे आखिरी में बीजेपी ने जिलाध्यक्षों को नामों की घोषणा की है, क्योंकि यहां आखिर तक सीनियर नेताओं में लंबी जद्दोजहद और खींचतान देखी गई थी, जिसके बाद बीजेपी सुमित मिश्रा और श्रवण सिंह चावड़ा को अध्यक्ष बना दिया है। खास बात यह है कि इंदौर

में भी बीजेपी किसी जिलाध्यक्ष को रिपीट नहीं किया है, यहां भी नई नियुक्तियां ही की गई हैं। हालांकि भाजपा ने सीनियर नेताओं के बीच समन्वय बनाने की कोशिश की है।

दोनों अध्यक्षों की उम्र 45 वर्ष से कम इंदौर जिले के शहर और ग्रामीण अध्यक्ष युवा है। दोनों की उम्र 45 वर्ष से कम है। आगामी नगर निगम चुनावों को देखते हुए इन नियुक्तियों को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अब देखना होगा कि नए जिला अध्यक्ष पार्टी की नीतियों को जमीनी स्तर पर कैसे लागू करते हैं और संगठन को आगे बढ़ाने में कितनी सफलता प्राप्त करते। गौरतलब है कि इस बार के विधानसभा चुनाव में इंदौर में बीजेपी ने सभी सीटों पर जीत हासिल की थी। इसके बाद लोकसभा चुनाव में भी प्रचंड जीत मिली है। पार्टी इसे कायम रखने के लिए लगातार काम करती रहेगी। अभी इंदौर जिले का प्रभार सीएम मोहन यादव के पास है।

मध्यप्रदेश में बीजेपी ने बनाए 62 जिलाध्यक्ष बीजेपी ने मध्यप्रदेश ने 9 लिस्टों में 62 जिलाध्यक्षों के नाम की घोषणा की है, मध्य प्रदेश में संगठनात्मक दृष्टि से बीजेपी के पहले 60 जिले हुए करते थे, लेकिन इस बार पार्टी ने 62 जिलाध्यक्षों की घोषणा की है, क्योंकि सागर और धार जिले में बीजेपी ने इस बार शहरी के साथ-साथ ग्रामीण जिलाध्यक्षों की नियुक्ति भी की है। बीजेपी ने कई जिलों में पुराने जिलाध्यक्षों की कमान दी है।

अब बीजेपी को मिल सकता है नया प्रदेश अध्यक्ष इंदौर में बीजेपी के जिलाध्यक्षों की घोषणा के बाद अब मध्यप्रदेश में बीजेपी के नए प्रदेश अध्यक्ष की कवायद तेज हो सकती है। सभी जिलाध्यक्षों की नियुक्तियों को बाद अब प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव में तेजी आ सकती है।

गोवा से विमान से आया लिवर,इंदौर निवासी मरीज को मिली जिंदगी – इस सप्ताह दूसरी बार ग्रीन कॉरिडोर



इंदौर। एक सप्ताह के भीतर इंदौर में गुरुवार को दूसरी बार ग्रीन कॉरिडोर बना। ब्रेनडेथ होने के बाद गोवा में 48 वर्षीय अजय गिरि का लिवर गोवा से इंदौर पहुंचा। इंदौर के जूपिटर अस्पताल में भर्ती एक मरीज को लिवर का प्रत्यारोपण किया गया।गुरुवार शाम को एयरपोर्ट से जूपिटर अस्पताल तक ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया। चौहौरे पर पुलिस जवानों ने व्यवस्था संधाली और लिवर लेकर निकली। एंबुलेंस चौराहों के हर सिग्नल को पार कर अस्पताल पहुंची और फिर प्रत्यारोपण की प्रक्रिया शुरू हुई। एक सप्ताह में दूसरी बार इंदौर में ग्रीन कॉरिडोर बना, जबकि पांच सालों में 62 वां ग्रीन कॉरिडोर बना।गोवा के मणिपाल हॉस्पिटल में ब्रेन हेमरेज के कारण 48 वर्षीय अजय गिरि के अस्पताल ने बुधवार को काम करना बंद कर दिया था। ब्रेन डेथ होने पर उनकी पत्नी ने

अंगदान की इच्छा जताई। इसके बाद गुरुवार रात को अंगदान के लिए काम करने वाली शासकीय संस्था रोटो ने अलर्ट जारी किया। इसके बाद लिवर इंदौर तक भेजने की प्रक्रिया शुरू हुई। लिवर जूपिटर विशेष हॉस्पिटल में इंदौर निवासी 67 वर्ष के पुरुष को आवंटित हुआ है। मुस्कान रूप सेवादार जीतू बगानी और संदीपन आर्य ने बताया कि आमतौर पर दो शहरों के बीच बनने वाले ग्रीन कॉरिडोर में एयर एंबुलेंस का उपयोग होता है, लेकिन पहली बार लिवर गोवा से इंदौर आने वाली नियमित उड़ान से आया। डेढ़ घंटे का समय उड़ान में लगा। इंदौर एयरपोर्ट से 4.22 बजे निकल कर 4.37 बजे जूपिटर हॉस्पिटल तक मात्र पंद्रह मिनट का सफर तय कर लिवर पहुंचा। गिरि के शरीर से लिवर निकाल कर अस्पताल पहुंचाने तक कुल चार घंटे का वक्त लगा।

एमवायएच में पहली बार में जागते हुए मरीज की हुई ब्रेन ट्यूमर सर्जरी

इंदौर। इंदौर के सरकारी एमवाय अस्पताल में पहली बार एक मरीज को बिना पूरी तरह से बेहोश किए ब्रेन ट्यूमर का ऑपरेशन से किया गया। खास बात यह कि मरीज को कोई परेशानी नहीं हुई। उसे पांच दिनों बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। न्यूरो सर्जरी विभाग के एचओडी डॉ. राकेश गुप्ता ने बताया कि पिछले दिनों एक 40 वर्षीय मरीज को सिरदर्द और मिग्री के दौरों की वजह से अस्पताल में एडमिट किया गया। टफक रिपोर्ट में दिमाग के नाजुक हिस्से में ब्रेन ट्यूमर पाया गया। इस पर मरीज को बिना पूरी तरह बेहोश किए अदेक क्रैनियोटॉमी तकनीक से ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के दौरान मरीज जागता रहा और डॉक्टरों से बात करता रहा। अच्छी रिकवरी को देखते हुए मरीज को पांच दिनों बाद छुट्टी दे दी गई। इस तकनीक से ऑपरेशन करने में दिमाग के नाजुक हिस्सों को नुकसान पहुंचने की संभावना कम हो जाती है। मरीज ऑपरेशन के तुरंत बाद पूरी तरह होश में रहता है और बात करता है। मरीज को आईसीयू में कम दिनों तक एडमिट रखना पड़ता है।इस प्रकार के ऑपरेशन में एनेस्थीसिया टीम का सहयोग बहुत महत्वपूर्ण होता है। एनेस्थीसिया विभाग के एचओडी डॉ मनीष बंजारे, डॉ. पारुल जैन और टीम ने बहुत दक्षता के साथ इस ऑपरेशन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की न्यूरो सर्जरी विभाग के डॉ. जफर शेख, डॉ. यश मदनानी और डॉ प्रतीक का विशेष सहयोग रहा ।

लालबाग पैलेस बनेगा इंदौर का प्रमुख टूरिस्ट स्पॉट



परियोजना का मुख्य उद्देश्य 19वीं और 20वीं शताब्दी की इस ऐतिहासिक इमारत को क्षरण से बचना और इसके पुरातात्विक महत्व को बरकरार रखना है।इस महल के विभिन्न हिस्सों की संरचनात्मक

मजबूती, कलात्मक कृतियों और अंदरूनी सजावट को सहेजने के लिए एक विशेष प्रयोगशाला स्थापित की गई है। इसमें विशेषज्ञ लगातार शोध कर रहे हैं और संरक्षण तकनीकों का प्रयोग कर रहे हैं।दुर्लभ

पेंटिंग और सजावटी कृतियों को सहेजा गया है। इसके अलावा दरवाजों पर लगी गोल्डन पैनलों की मरम्मत की जा रही है। लालबाग पैलेस में रखे गए वर्षों पुराने कालीनों की गहरी सफाई की गई, जिससे करीब डेढ़ क्विंटल धूल निकली। इस कार्य में ऐसे कारीगरों की मदद ली गई जो पिछले 5 पीढ़ियों से कालीन बनाने और उनकी मरम्मत करने के पारंपरिक तरीके जानते हैं। अभी लालबाग पैलेस के अंदरूनी हिस्सों का संरक्षण कार्य होगा। इसके बाद बाहरी क्षेत्र के लिए भी मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है। पैलेस के गार्डन को भी संवारा जाएगा।

महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर इंदौर युवा कांग्रेस ने किया संगोष्ठी का आयोजन

इंदौर। महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर इंदौर युवा कांग्रेस ने एक महत्वपूर्ण संगोष्ठी का आयोजन किया। वार्ड 77 स्थित आईडीए मल्टी अमलतास परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष डॉ.

दौलत पटेल ने की। कार्यक्रम में पुजारी प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुधीर भारती, युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष राहुल गहलोत सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने बापू के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।डॉ. दौलत पटेल ने

अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में महात्मा गांधी के विचारों की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है। उन्होंने समाज में शांति और सद्भाव बनाए रखने के लिए गांधीजी के सत्य, अहिंसा और भाईचारे के सिद्धांतों को अपनाने

पर जोर दिया।कार्यक्रम को विशेष बनाते हुए सुधीर भारती ने गांधीजी के जीवन संघर्ष और उनके योगदान पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि गांधीजी ने देश को न केवल स्वतंत्रता का मार्ग दिखाया, बल्कि मानवीय



मूल्यों और नैतिकता का पाठ भी पढ़ाया। संगोष्ठी में उपस्थित युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं, समाजसेवियों और स्थानीय नागरिकों ने गांधीजी के विचारों को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लिया।

इंफोसिस व अन्य आईटी कंपनियों के प्रोफेशनल विजय नगर, एरोड्रम क्षेत्र में है। उनके लिए मेट्रो काफी सुविधाजनक होगी।

छह किलोमीटर में होगा कमर्शियल रन मेट्रो का कमर्शियल रन एक दो माह में होने वाला है। इसके लिए अफसरों की एक टीम सेफ्टी आडिट के लिए इंदौर आ चुकी है। मेट्रो स्टेशन, मेट्रो ट्रेक सहित अन्य कामों की जांच की जा रही है। इसके बाद मेट्रो के संचालन की अनुमति मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन को मिल जाएगी। फिलहाल छह किलोमीटर के हिस्से में ट्रायल रन होगा। मेट्रो डिपो से टीसीएस चौराहे तक तीन मेट्रो स्टेशन भी बनकर पूरी तरह तैयार हो चुके है।

भूमिगत मेट्रो का काम अब होगा शुरू नाथ मंदिर से एरोड्रम रोड तक मेट्रो का भूमिगत काम होना है। इसके लिए टेंडर जारी हो चुके है, लेकिन अभी तक काम शुरू नहीं हो पाया। इस हिस्से में आठ भूमिगत मेट्रो स्टेशन बनेंगे। भूमिगत मेट्रो का ट्रेक तैयार होने में पांच साल का समय लग सकता है।

इंश्योरेंस कंपनी से तीन साल के बच्चे को मिलेगा 49 लाख का मुआवजा

हादसे में खो दिए थे माता पिता

इंदौर। इंदौर में जिला न्यायालय ने तीन साल के बालक को माता पिता के निधन पर इंश्योरेंस कंपनी को 49 लाख रुपए का मुआवजा देने का आदेश दिया है। कोर्ट ने माता, पिता और गर्भस्थ शिशु की मृत्यु होने और तीन साल के बालक को हादसे में स्थायी शारीरिक नुकसान होने पर यह फैसला सुनाया है। दिनांक 10.02.2023 को दुर्घटना हुई थी। राहुल अपनी मोटर सायकल पर पत्नि करीना एवं पुत्र रितिक को पीछे बैठाकर अपनी सही साइड व सीमित गति से यातायात के नियमों का पालन कर वाहन चलाते हुए अपने ससुराल जा रहा था। दोपहर 1.30 बजे लगभग वह पाकोजा रोड़, बायपास, खजराना, इंदौर पहुंचा ही था कि तभी वाहन डम्पर क. आर.जे.09 जी डी 6702 का चालक अपने वाहन को अत्यंत तेज गति व

लापरवाहीपूर्वक चलाकर लाया और राहुल की मोटर सायकल में जोरदार टक्कर मार दी, जिससे राहुल उसकी पत्नि करीना एवं पुत्र रितिक तीनों वाहन मोटर सायकल सहित नीचे गिर पड़े। राहुल व करीना को सिर व शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर व प्राणघातक चोटें आने से दोनों की घटना स्थल पर ही मृत्यु हो गई थी एवं घायल रितिक को उपचार हेतु हास्पिटल ले जाया गया था। हादसे के वक्त महिला का पांच माह का गर्भ भी था। अधिवक्ता मनीष कौशल, शुभमसिंह तोमर और ओमवीर सिंह ने बताया कि दुर्घटना में डम्पर न्यू इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड में बीमित था। कोर्ट ने सभी तथ्यों के आधार पर तीन साल के रितिक को न्यू इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड से कुल 49 लाख रुपए मुआवजा देने का आदेश दिया है।

सौरभ शर्मा और उसके राजदार एक दूसरे की बता रहे करोड़ों की संपत्ति

भोपाल। लोकायुक्त छापे में अरबों की संपत्ति का खुलासा होने के बाद देशभर में सुर्खियों में आए भोपाल के पूर्व परिवहन आरक्षक सौरभ शर्मा और उसके राजदार लोकायुक्त पुलिस की रिमांड पर हैं। सौरभ शर्मा और चेतन सिंह गौर को मंगलवार को लोकायुक्त पुलिस ने अदालत में पेश कर चार फरवरी तक रिमांड पर लिया था। सौरभ शर्मा, चेतन सिंह गौर और शरद जायसवाल लोकायुक्त पुलिस की पूछताछ में गोलमोल जवाब दे रहे हैं। सौरभ शर्मा ने बताया कि जिसके नाम पर जो संपत्ति है, वो उसकी की है। उससे मेरा कोई लेना देना नहीं है। वहीं, शरद जायसवाल और चेतन गौर ने कहा कि उनके नाम पर सौरभ शर्मा ने संपत्तियां खरीदी हैं। हमारे दस्तावेजों का उपयोग किया है। इसमें ज्यादातर सोना खाड़ी देशों से खरीद कर लाया गया है। इसका कस्टम चुकाया गया है या नहीं इसकी जांच के लिए डीआरआई जांच करेगी। साथ ही यह भी पता चला है कि सौरभ ने दुबई में निवेश किया है, जिसकी जांच के लिए ईडी और आयकर भी पूछताछ करेगी।

बुधवार को सौरभ शर्मा का राजदार और बिजनेस पार्टनर शरद जायसवाल ने भी कोर्ट में सरेडर कर दिया, लोकायुक्त पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर चार फरवरी तक रिमांड पर लिया है। सौरभ शर्मा इतना शातिर हैं कि मेंडोरी के जंगल में स्थित एक फार्म हाउस में इनोवा के अंदर मिले 52 किलोग्राम से अधिक सोने और दस करोड़ से अधिक



की नगदी को स्वीकारने से इनकार कर रहा है, वहीं बाकी जब्त की गई नकदी, जेवर और जमीनों के दस्तावेज की पूरी जानकारी देने के लिए समय मांगा है। वहीं, चेतन सिंह और और शरद जायसवाल सौरभ शर्मा के बिजनेस पार्टनर हैं और दोनों ने कहा कि सौरभ ने ही उनके दस्तावेजों व नाम का उपयोग कर संपत्तियां खरीदी हैं, वह संपत्तियां मेरी नहीं हैं। 52 किलोग्राम से अधिक सोना और 10 करोड़ से अधिक की नकदी किसकी है, यह पता लगाने के लिए अब केंद्रीय वित्त मंत्रालय के डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलीजेंस (डीआरआई) की एंटी होने जा रही है। आयकर विभाग

द्वारा सौरभ शर्मा से जुड़ी इनोवा में 52 किलोग्राम से अधिक सोना और 10 करोड़ से अधिक की नकदी किसकी है, इसका पता नहीं लगा पाई है। अब इस केस में डीआरआई के अधिकारी आएंगे और सौरभ शर्मा व अन्य किरदारों से इस संबंध में पूछताछ करेंगे। **शरद जायसवाल को मिला था नोटिस** लोकायुक्त एसपी ने सौरभ शर्मा केस के तीसरे आरोपी और सौरभ के बिजनेस पार्टनर शरद जायसवाल को पूछताछ के लिए नोटिस जारी किया था। उसे 27 जनवरी को लोकायुक्त कार्यालय बुलाया गया था, लेकिन वह अगले दिन कार्यालय पहुंचा। औपचारिकताएं पूरी करने के बाद रात करीब आठ बजे उसकी

गिरफ्तारी कर ली गई थी।

बिगड़ी शरद की तबीयत बुधवार रात करीब 11 बजे अचानक शरद की तबीयत बिगड़ी थी, जिसके बाद उसे मेडिकल चेकअप के लिए ले जाया गया। डॉक्टरों की जांच-पड़ताल के बाद उसे डिस्चार्ज कर दिया गया था। बुधवार को कोर्ट में पेश करने के दौरान पुलिस ने पूछताछ के लिए रिमांड मांगी थी। शरद के वकील सूर्यकांत भुजाड़े ने रिमांड का विरोध नहीं किया, लेकिन कोर्ट को बताया कि शरद की तबीयत खराब है। इस पर लोकायुक्त की तरफ से पैरवी करते हुए एडीपीओ विवेक गौर ने कोर्ट को बताया कि शरद की सभी रिपोर्ट नॉर्मल आई हैं। इस पर जज ने शरद को जरूरी उपचार और खानपान का ध्यान रखने के निर्देश देने के साथ ही उसे रिमांड पर भेज दिया।

तीन बजे रात तक चलती रही पूछताछ मंगलवार को सौरभ शर्मा और चेतन सिंह गौर से रात करीब तीन बजे तक अलग-अलग पूछताछ की जाती रही। सौरभ और उसके साथियों को होटल से लाया गया भोजन दिया गया था। रात तीन बजे एक कंबल देकर उसे सोने के लिए बोल दिया गया। बुधवार सुबह उठने के बाद उसने चाय और बिस्किट लिया था। उसके बाद पुलिस अफसरों ने दोनों से पूछताछ शुरू कर दी थी, लेकिन जांच एजेंसियां उससे कुछ उगलवा नहीं पा रही हैं। वह इतना राज दबाए हुए हैं कि अगर बोल दे तो कई नेता व अधिकारी नप जाएं।

पद्म पुरस्कार विजेताओं ने अन्य राज्यों की तरह मांगी पेंशन

भोपाल। मध्यप्रदेश में पद्म पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं ने राज्य सरकार से हरियाणा, तेलंगाना और ओडिशा में दी जाने वाली पेंशन और अन्य लाभों के समान मासिक पेंशन लागू करने का अनुरोध किया है। अंतरराष्ट्रीय तैराक और पद्म पुरस्कार प्राप्त सत्येंद्र सिंह ने कहा कि मध्य प्रदेश में पद्म पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को अलग सुविधाएं मिलनी चाहिए। सिंह ने कहा कि हमने एक वास्तविक मुद्दा उठाया है। हमें उम्मीद है कि इससे पद्म पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को बड़ी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि एमपी के गृह विभाग को पद्म श्री पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को फोटो पहचान पत्र जारी करना चाहिए। उनका विवरण राज्य पुलिस विभाग के साथ साझा करना चाहिए। प्राप्तकर्ताओं ने यह भी आग्रह किया कि मध्य प्रदेश के



सभी जीवित पद्म श्री पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को 25,000 रुपये की मासिक पेंशन दी जानी चाहिए, जो मीसा कैदियों को मिलने वाली पेंशन के बराबर हो। सिंह ने कहा कि राज्य के सर्किट हाउस या गेस्ट हाउस में निशुल्क आवास उपलब्ध कराया जाना चाहिए। इसके अलावा दिल्ली दौरे के दौरान एमपी भवन

में प्रवेश की सुविधा दी जानी चाहिए। सरकारी समारोहों में आधिकारिक आमंत्रण भेजे जाने चाहिए। राज्य के गणमान्य व्यक्तियों की सूची में उनके नाम शामिल किए जाने चाहिए। सरकारी समारोहों में उनके परिवहन के लिए राज्य सरकार के वाहन उपलब्ध कराए जाने चाहिए। पद्मश्री प्राप्तकर्ता के रूप

में उनकी स्थिति का सम्मान करते हुए कार्यक्रमों में उचित बैठने की व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। अन्य राज्यों की प्रथाओं का अनुसरण करते हुए उनके अंतिम संस्कार के दौरान राजकीय सम्मान दिया जाना चाहिए।

पद्म पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री का ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया जाना चाहिए। सिंह ने कहा कि वर्तमान में मध्य प्रदेश में पद्मश्री पुरस्कार विजेताओं के लिए मासिक सम्मान निधि पेंशन का प्रावधान नहीं है। जबकि हरियाणा, तेलंगाना और ओडिशा जैसे राज्य 25,000 रुपये मासिक पेंशन प्रदान करते हैं। यह सहायता राज्य की प्रतिभाओं को आगे बढ़ने और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

‘सायबर इन्वेस्टिगेशन एवं डिजिटल फोरेंसिक’ पर मप्र पुलिस अकादमी भौरी में हुआ सेमीनार

भोपाल। पुलिस मुख्यालय भोपाल की प्रशिक्षण शाखा एवं पुलिस अकादमी भोपाल की निदेशक सोनाली मिश्रा एडीजीपी के मार्गदर्शन में 29 व 30 जनवरी को मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से पुलिस अधिकारियों को सायबर इन्वेस्टिगेशन एवं डिजिटल फोरेंसिक विषय पर दो दिवसीय सेमीनार हेतु बुलाया गया था इस सेमीनार में उप पुलिस अधीक्षक 02, निरीक्षक 08, उपनिरीक्षक 32, कुल 42 मैदानी पुलिस अधिकारी प्रदेश के विभिन्न जिलों से सम्मिलित हुए। सेमीनार का विधिवत उद्घाटन राजीव त्रिपाठी उप पुलिस अधीक्षक के द्वारा अपने सारगर्भित उद्घोषन से

किया गया। सेमीनार के दौरान 29 जनवरी को धर्मेन्द्र मिश्रा एवं दीपक सिंह स्टेट सायबर सेल के द्वारा सायबर अपराध की बेसिक जानकारी सीडीआर एवं आईपीडीआर का विश्लेषण, शासकीय सायबर क्राइम डीलिंग पोर्टल के संबंध ने व्यवहारिक एवं व्यावसायिक ज्ञान के आधार पर सारगर्भित जानकारी दी गई। लंच उपरांत अभिषेक सोनकर निरीक्षक सायबर सीबीआई के द्वारा फाइनेंसियल क्राइम इन्वेस्टिगेशन एवं टागिंग सायबर क्राइम पर प्रभावी व्याख्यान दिया गया। 30 जनवरी को कुलदीप वर्मा सायबर एक्सपर्ट के द्वारा बेसिक ऑफ

डिजिटल फोरेंसिक, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य की तलाशी एवं जसी की प्रक्रिया एवं इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य की प्राप्ताता के संबंध में अत्यधिक ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया गया। रियाज इकबाल आईपीएस डीसीपी सेंट्रल जोन भोपाल के द्वारा सायबर अवैयरनेस वर्तमान परिवेश में सायबर अपराधों के संबंध में आने वाली चुनौतियों आदि विषय पर सायबर इन्वेस्टिगेशन के संबंध में ओवरव्यू देकर मध्यप्रदेश के सतना, मुँरना, पन्ना, सिंगरौली जैसे विभिन्न जिलों की कप्तानी के दौरान स्वयं के द्वारा ट्रेस किये गए सायबर अपराधों की केस स्टडी के द्वारा फील्ड में पुलिस के द्वारा सायबर

अपराध कैसे ट्रेस करें के सम्बंध में अत्यंत ज्ञानवर्धक जानकारी देकर प्रतिभागियों को लाभान्वित किया। सेमीनार की रूपरेखा तैयार करने एवं अतिथियों का चयन श्रद्धा जोशी सहायक निदेशक सेमीनार के द्वारा किया गया। सेमीनार के दौरान ही मिशन कर्मयोगी अभियान अंतर्गत आईजीओटी पोर्टल के संबंध में वीडियो दिखा कर सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया। अतिथियों का स्वागत एवं आभार श्रद्धा जोशी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं राजीव त्रिपाठी उप पुलिस अधीक्षक के द्वारा एवं मंच संचालन का कार्य रूपेश मगैया निरीक्षक के द्वारा किया गया।

ईडी को सर्चिंग में जय श्री गायत्री फूड्स के 72.50 करोड़ रुपए जब्त

भोपाल। जयश्री गायत्री फूड्स प्राइवेट लिमिटेड के मालिक किशन मोदी के यहां गुरुवार को भी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) भोपाल की सर्चिंग हुई। ईडी को छापे में विभिन्न कम्पनियों और परिवार के सदस्यों के नाम पर 66 करोड़ रुपए मिले, जिसे जब्त कर लिया गया है। इसके साथ ही सर्चिंग के दौरान ईडी को कई दस्तावेज, 25 लाख नकदी और लगजरी कारें मिली हैं। ईडी ने

साइबर फॉड का खुलासा, 5 ठगों को गिरफ्तार किया

भोपाल। भोपाल पुलिस ने एक बड़े साइबर फॉड का खुलासा करते हुए रीगल टाउन अवधपुरी से 5 ठगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 2.50 करोड़ कीमत का माल बरामद हुआ है। पकड़े गए ठगों पर पहले से धोखाधड़ी, चोरी, मारपीट सहित अन्य कई अपराध दर्ज हैं। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि वह घूमने-फिरने और नशे का शौक पूरा करने के लिए वारदात करते थे। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि रीगल टाउन, ब्लॉक नंबर 1 ए, फ्लैट नंबर 301 में कुछ संदिग्ध युवक रह रहे हैं, जो महंगी गाड़ियों में घूमते हैं। इस सूचना के आधार पर पुलिस उपायुक्त जोन-02 संजय कुमार अग्रवाल के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक रतन सिंह परिहार के नेतृत्व में टीम गठित की गई। जब पुलिस टीम मौके पर पहुंची और तलाशी ली, तो वहां से 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने जनता से अपील



की है कि वे ऑनलाइन लेन-देन करते समय सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि वे जूम कार कंपनी की ऑनलाइन एप्लिकेशन का दुरुपयोग कर फर्जी कार बुकिंग करते थे। वे इंटरनेट से कारों की तस्वीरें डाउनलोड कर उन्हें जूम कार प्लेटफॉर्म पर अपलोड कर देते थे। ग्राहक जब कार बुक करता था, तो वह एडवांस पेमेंट कर देता था। जूम कार कंपनी कुल राशि का 60ब हिस्सा आरोपियों के बैंक

खाते में ट्रांसफर कर देती थी। जब ग्राहक अपनी बुकिंग के अनुसार कार लेने पहुंचता, तो आरोपियों द्वारा मोबाइल फोन बंद कर दिया जाता था। इसके बाद, जूम कंपनी जब आरोपियों से संपर्क नहीं कर पाती, तो उनके बैंक अकाउंट और मोबाइल नंबर ब्लॉक कर देती थी। लेकिन आरोपी हर बार नए सिम, बैंक अकाउंट और फर्जी पहचान के जरिए फिर से नई बुकिंग कर ठगी को अंजाम देते थे। इस तरह से यह दिल्ली, मुम्बई और देश के अन्य शहरों के लोगों से ठगी करते थे।

मप्र में कड़ाके की ठंड से राहत, दिन का पारा 32 डिग्री तक पहुंचा

भोपाल। मध्यप्रदेश के मौसम में लगातार बदलाव देखने को मिल रहा है। प्रदेश में एक बार फिर से कड़ाके की ठंड से राहत मिल गई है। प्रदेश के कुछ जिलों में दिन का तापमान 32 डिग्री तक पहुंच गया है। मौसम विभाग के अनुसार 2 फरवरी से ठंड का असर फिर बढ़ेगा। रात का पारा 2 से 3 डिग्री तक लुढ़क सकता है। वहीं, वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की वजह से ग्वालियर-उज्जैन संभाग में बारिश का अलर्ट भी है। इससे पहले कड़ाके की सर्दी से राहत मिलेगी। 2 फरवरी को उज्जैन, नीमच, मंदसौर, रतलाम, आगर-मालवा, शाजापुर, देवास, गुना, अशोकनगर और शिवपुरी में हल्की बारिश हो सकती है। इसी दिन से प्रदेश में ठंड भी बढ़ेगी। इससे दिन-रात के तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट होने की संभावना है।

दो नए वेस्टर्न डिस्टर्बेंस होंगे एक्टिव मौसम विभाग के सीनियर वैज्ञानिक वेद प्रकाश ने बताया कि एक और 3 फरवरी को



दो नए वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव हो रहे हैं। जिससे प्रदेश का पश्चिमी-उत्तरी हिस्सा भी प्रभावित रहेगा। इसलिए बारिश होने की संभावना है। पश्चिम-उत्तर भारत में 12.6 किमी की ऊंचाई पर 278 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से जेट स्ट्रीम हवाएं भी बह रही हैं। एक साइक्लोनिक सकुलेशन सिस्टम भी एक्टिव है।

कई शहरों में गर्मी का एहसास मध्य प्रदेश के कई शहरों में बुधवार को दिन में गर्मी का एहसास हुआ। मंडला में सबसे ज्यादा 32 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग के

भोपाल में 38% ड्राइवरों की नजर कमजोर 87 फीसदी चालक बीमार

भोपाल। राजधानी भोपाल की जनता को सफर कराने वाले ई रिक्शा, ऑटो और स्कूलों के बच्चों की बस चलाने वाले 38 फीसदी ड्राइवरों की नजर कमजोर है, जबकि 87 फीसदी चालक शारीरिक रूप से अक्षम हैं। केवल 13 फीसदी चालक फिट हैं। यह खुलासा पीटीआरआई द्वारा कर्मशियल ड्राइवरों के सड़क सुरक्षा के तहत मेडिकल चेकअप के दौरान हुआ। दरअसल भोपाल पुलिस फिजकली अनफिट ड्राइवरों का डाटा तैयार कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि ड्राइवरों को फिजली फिट होना जरूरी है। गौरतलब है कि राजधानी भोपाल में पुलिस पहली बार कर्मशियल ड्राइवरों की हेल्थ चेकप करवा रही है। पीटीआरआई ने इसके साथ ही प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान ड्राइवर व कंडक्टर के मेडिकल चेकअप के साथ-साथ ट्रैफिक नियमों से भी जागरूक किया गया है। इसमें खासकर स्कूल-कॉलेज के बस



ड्राइवर व कंडेक्टर और ई-रिक्शा चालकों को बुलाया गया था। सभी को ट्रैफिक नियमों से जागरूक किया गया है। भोपाल के ड्राइवरों की स्थिति -750 कर्मशियल ड्राइवरों की हुई जांच - 280 ड्राइवरों की नजर कमजोर - 87 ड्राइवरों को सर्जरी के लिए रेफर किया -200 ड्राइवरों को चश्मे और आई ड्रॉप बांटे जाएं - 100 ड्राइवरों को शुगर और ब्लड प्रेशर की जांच - 40 ड्राइवर डाइबिटिक और ब्लड प्रेशर से पीड़ित -10 प्रतिशत ड्राइवर अन्य बीमारियों से पीड़ित वहन चलाने के बताए नियम ट्रैफिक डीसीपी संजय सिंह ने

बताया कि सड़क सुरक्षा माह के तहत पीटीआरआई द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिसमें शहर के स्कूल-कॉलेजों, ई-रिक्शा, आटो ड्राइवर और कंडेक्टरों को विशेष रूप से बुलाया गया था। कार्यशाला में ड्राइवर और कंडेक्टरों को वाहन चलाने के तरीके सिखाए गए हैं। उनके बीपी, शुगर और आई चेक अप कराए गए हैं। इसमें कुछ संस्थाएं कॉर्डिनेट कर रही हैं। सभी ड्राइवरों को ट्रैफिक नियमों को अवगत कराया गया है। तेज गति से वाहन न चलाने को संवेदनशील किए गया है। आगे भी ऐसे प्रशिक्षण जारी रहेंगे।

भोपाल। मध्यप्रदेश में दिव्यांगों की समस्याएं हल करने और उनकी शिकायतों पर कार्रवाई के लिए हर सरकारी कार्यालय में एक अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। यह अधिकारी दिव्यांगों की समस्याओं का समाधान करेगा। अगर किसी को समाधान से संतुष्टि नहीं मिलती, तो वह जिला स्तर पर बनी कमेटी में अपनी शिकायत दर्ज करा सकेगा। प्रमुख सचिव,

निशक्तजन मध्यप्रदेश, सोनाली पोंक्षे वायंगणकर ने बताया कि दिव्यांगों की मदद के लिए सरकारी दफ्तरों में शिकायत निवारण अधिकारी नियुक्त किए जाएंगे। यह व्यवस्था दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 की धारा 23 और मध्यप्रदेश दिव्यांगजन नियम 2017 के नियम 11 के तहत की जाएगी। इन अधिकारियों की जानकारी

न्यायालय आयुक्त, निशक्तजन मध्यप्रदेश को दी जाएगी। प्रमुख सचिव वायंगणकर ने बताया कि यदि किसी दिव्यांग को अपनी शिकायत पर की गई कार्यवाही से संतोष नहीं होता है तो वह मध्यप्रदेश दिव्यांगजन अधिकार नियम 2017 के नियम 42 के अनुसार गठित जिला स्तरीय समिति के पास अपनी शिकायत दर्ज करवा सकता है।

संपादकीय

कुंभ में अतीत के हादसों से नहीं लिया गया सबक

प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में मौनी अमावस्या के अमृत स्नान से पहले हुए हादसे में 30 श्रद्धालुओं की मौत की घटना निश्चित रूप से दुर्भाग्यपूर्ण है। यूं तो अतीत में भी प्रयागराज, हरिद्वार, नासिक व उज्जैन के कुंभों के दौरान भी कई दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं हुई हैं, लेकिन सवाल है कि क्या हम अतीत के हादसों से कोई सबक ले पाए हैं? यूं तो उत्तरप्रदेश की योगी सरकार द्वारा मेला प्रबंधन व सुरक्षा के चाकचौबंद बंदोबस्त के दावे किए गए थे, लेकिन मौनी अमावस्या की घटना ने यह दुखद स्थिति पैदा कर दी है। करोड़ों तीर्थयात्रियों का अचानक किसी धार्मिक आयोजन में पहुंचना निश्चित रूप से शासन व प्रशासन के लिये बड़ी चुनौती बन जाती है। लेकिन इसके बावजूद शासन-प्रशासन की प्राथमिकता दुर्घटना मुक्त आयोजन ही होना चाहिए। दरअसल, ऐसे आयोजनों में तीर्थयात्रियों की जल्दबाजी और पहले स्नान करने की होड़ अकसर ऐसी भगदड़ पैदा कर देती है। जो बताती है कि हम सार्वजनिक जीवन में ऐसे बड़े आयोजनों में अनुशासित व्यवहार करने से चूक जाते हैं। दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम इस बात का भी संकेत है कि कुंभ के आयोजनों में पिछले बड़े हादसों के सबक हम पूरी तरह सीख नहीं पाए हैं। हालांकि, शासन-प्रशासन को इस बात का अंदाज था कि इस बार करोड़ों की भीड़ जुटेगी, लेकिन फिर भी कहीं न कहीं सावधानी में चूक तो हुई है। निस्संदेह, महाकुंभ का आयोजन भारतीय सनातन परंपरा का अटूट हिस्सा रहा है। बिना चिड़्डी व तार देश के कोने-कोने से तीर्थयात्री महाकुंभ में जुटते हैं। कल्पवास में संयमित जीवन से आध्यात्मिक लाभ अर्जित करते हैं। लेकिन बदलते वक्त के साथ यातायात के साधनों की उपलब्धता से ऐसे आयोजनों पर भीड़ का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। मौडिया की सक्रियता ऐसे आयोजन के प्रति अतिरिक्त आकर्षण पैदा कर देती है, जिससे श्रद्धालुओं का अप्रत्याशित सैलाब कुंभ नगरी की तरफ मुड़ जाता है। निश्चित रूप से समय के साथ आए सामाजिक बदलावों के मद्देनजर शासन-प्रशासन को महाकुंभ के आयोजन में अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है। निश्चित रूप से महाकुंभ के आयोजन से जुड़े तंत्र को उन कारकों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए, जिसके चलते इस त्रासदी की छया प्रयागराज महाकुंभ पर पड़ी। उन तमाम संभावनाओं पर विचार करने की जरूरत है जो कुंभ जैसे बड़े आयोजनों की दुर्घटनाओं से निरापद बनाने में सहायक हो सकती हैं। हालांकि, प्रयागराज महाकुंभ में एआई, ड्रोन व कम्प्यूटरों के जरिये व्यापक सुरक्षा प्रबंधों की निगरानी की जा रही है, लेकिन अभी भी अफवाहों व भगदड़ की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिये और अधिक प्रयास करने की जरूरत है। तीर्थयात्रियों को भी जागरूक करने की जरूरत है कि वे धैर्य के साथ अपनी स्नान की बारी का इंतजार करें। साथ ही अफवाहों व जल्दीबाजी से बचें। बताया जाता है कि प्रयागराज हादसे में भी कुछ तीर्थयात्रियों द्वारा स्नान में जल्दीबाजी करने तथा अखाड़ मार्ग पर लगे बैरिकेड्स पर चढ़ने पर मची अफरातफरी को कारण बताया गया। लेकिन इसके बावजूद पुलिस व अधिकारियों की चूक को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। निश्चित रूप से भीड़ के मिजाज को समय रहते भांप लिया जाता तो शायद हादसे को टाला जा सकता था । हालांकि, मुक्तकों के परिजनों व घायलों को मुआवजा देने की घोषणा की गई है। साथ ही न्यायिक जांच के भी आदेश दिए गए हैं। इसके बावजूद इस बात की गहन जांच जरूरी है कि स्थिति कैसे नियंत्रण से बाहर हो गई। यह एक निर्विवाद सत्य है कि गोपनीयता का पर्दा डालने से केवल अफवाहों व गलत सूचनाओं को ही बढ़ावा मिलता है। बहरहाल, आने वाले समय में श्रद्धालुओं को मनोवैज्ञानिक रूप से तैयार करने की भी जरूरत होगी कि वे अपने आसपास के घाट पर ही स्नान करके समान पुण्य अर्जित कर सकते हैं। यह भी कि संगम के सभी घाट समान रूप से पवित्र हैं। इससे चुनिंदा घाटों पर तीर्थयात्रियों का दबाव नहीं बनेगा। साथ ही श्रद्धालुओं को अनुशासित व्यवहार के लिये प्रेरित किया जाना भी बेहद जरूरी है। पूरे आयोजन की समाप्ति तक यहां दुनिया के जितने लोग स्नान करेंगे, वो भारत और चीन की जनसंख्या के बाद दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आबादी होगी। जाहिर है इतनी बड़ी संख्या एक जगह पहुंचेगी तो उस जगह दबाव बढ़ ही जाएगा। अब संगम हादसे के बाद सब एक्टिव हो गए हैं। प्रयागराज में भीड़ का दबाव कम करने के लिए जिले की सीमाएं सील की जा रही हैं। कई मेला स्पेशल ट्रेनों को अलग-अलग स्टेशनों पर रोकना पड़ा है। हाइवे के हालात ये हैं कि प्रयागराज आने वाले श्रद्धालु वाराणसी और अयोध्या भी दर्शन करने जा रहे हैं। कई जिलों में लोकल ट्रैफिक के साथ बाहर से आने वाली भीड़ के दबाव में सड़कें जाम हैं। राम मंदिर ट्रस्ट ने तो अयोध्या में श्रद्धालुओं की भीड़ देखते हुए अपील तक जारी कर दी है कि जो आसपास के लोग हैं वह कृपया 15 से 20 दिन बाद राम मंदिर दर्शन करने आएँ। अब प्रयागराज में हादसा होने के बाद से अलग-अलग जिलों में जिस तरह की मुस्तैदी देखी जा रही है। बाहर से आने वाली बसों को रोक दिया जा रहा है। वो हादसे से पहले क्यों नहीं दिखीं?

क्या आम आदमी की उम्मीदों पर खरा उतरेगा बजट?

केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को अपना लगातार आठवां बजट पेश करेंगी। यह केंद्रीय बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार का अपने तीसरे कार्यकाल का दूसरा पूर्ण वित्तीय बजट होगा। इस बार के बजट से हर सेक्टर की बड़ी उम्मीदें टिकी हुई हैं, इस बजट की घोषणाओं से भविष्य में राष्ट्र किन दिशाओं में आगे बढ़ेगा, उसकी मंशा एवं दिशा अवश्य स्पष्ट होगी। टैक्सपेयर्स भी इस बार वित्तमंत्री से इनकम टैक्स में राहत देने की उम्मीद कर रहा है।

ललित गर्ग

केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को अपना लगातार आठवां बजट पेश करेंगी। यह केंद्रीय बजट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार का अपने तीसरे कार्यकाल का दूसरा पूर्ण वित्तीय बजट होगा। इस बार के बजट से हर सेक्टर की बड़ी उम्मीदें टिकी हुई हैं, इस बजट की घोषणाओं से भविष्य में राष्ट्र किन दिशाओं में आगे बढ़ेगा, उसकी मंशा एवं दिशा अवश्य स्पष्ट होगी। टैक्सपेयर्स भी इस बार वित्तमंत्री से इनकम टैक्स में राहत देने की उम्मीद कर रहा है। मिडिल-क्लास और वेतनभोगियों को भी राहत की उम्मीद है। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण की एक मौलिक सोच एवं दृष्टि से यह बजट दुनिया में भारतीय अर्थव्यवस्था को एक चमकते सितारे के रूप में स्थापित करने एवं सुदृढ़ आर्थिक विकास के लिये



आगे की राह दिखाने वाला होगा। संभावना है कि इस बजट में समावेशी विकास, वॉचिंगों को वरीयता, बुनियादी ढांचे में निवेश, क्षमता विस्तार, हरित विकास, महिलाओं एवं युवाओं की भागीदारी, मोदी की गारंटियों पर बल दिया जायेगा। इफ्रास्ट्रक्चर, मैनुफैक्चरिंग, डिजिटल और सामाजिक विकास की दृष्टि से देश को आत्मनिर्भर बनाने की रफ्तार को भी गति दी जायेगी। यह बजट देश को न केवल विकसित देशों में बल्कि इसकी अर्थव्यवस्था को विश्व स्तर पर तीसरे स्थान दिलाने के संकल्प को बल देने में सहायक बनेगा। आम आदमी बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और घटती खपत के बीच कुछ राहत की उम्मीद लगा रहा है। बजट, शिक्षा, रक्षा, उद्योग, महिलाओं और गरीब वर्गों के लिए सुधारों और प्रोत्साहनों का खाका तैयार करेगा। वित्तमंत्री से उम्मीद की जा रही है कि वे आयकर स्लैब में बदलाव करेंगी, जिससे वेतनभोगियों एवं करदाताओं को राहत मिलेगी। इस समय वेतनभोगी एवं करदाता की 15 लाख रुपये से अधिक की आमदनी पर 30 प्रतिशत टैक्स लगता है। सरकार 10 लाख रुपये तक की आय को पूरी तरह टैक्स-फ्री करने और 15 से 20 लाख रुपये की आमदनी पर 25 प्रतिशत का नया टैक्स स्लैब लाने पर विचार कर रही है। इससे मध्यम वर्ग के लोगों की खर्च करने की क्षमता बढ़ेगी, जो अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहित करेगा। केंद्र सरकार बजट सत्र 2025 में नया आयकर कानून पेश करने की योजना बना रही है, जो करदाताओं को लाभान्वित करेगा और कर प्रणाली को सरल बनाएगा। इसके अलावा, सरकार इस बार के बजट में शेयर से होने वाली कमाई पर टैक्स लगाने का प्रावधान कर सकती है। इसमें शेयरों से मिलने वाले

लाभांश, ब्याज से होने वाली कमाई और पूंजीगत लाभ पर भी टैक्स लगाया जा सकता है। यह बजट न केवल देश की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करेगा, बल्कि सामाजिक और तकनीकी विकास की दिशा में भारत को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। बढ़ती महंगाई पर नियंत्रण की भी संभावनाएं हैं। इस बजट से विभिन्न क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण घोषणाओं की उम्मीद है, जो अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने और आम जनता को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से की जा सकती हैं। आम आदमी के लिए सबसे पीड़ादायक टैक्स का बोझ है। हालांकि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) जैसे टैक्स का फैसला समय-समय पर जीएसटी कार्डिसल में लिया जाता है, लेकिन सरकार से उम्मीद की जाती है कि वो इन शुल्कों को और तर्कसंगत बनाकर आम लोगों को कुछ राहत दे। अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी पड़ने के कारण निवेशकों में घबराहट है और इसने रोजगार के अवसरों को भी कम किया है जबकि महंगाई के हिसाब से मजदूरी और वेतन में बढ़ोतरी नहीं होने से खासकर सीमित आमदनी वाले परिवारों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। पिछली तिमाहियों में कंपनियों के निराशाजनक प्रदर्शन ने भी इन हालात को मुश्किल बनाया है। जिससे नौकरी चाहने वाले युवाओं को पर्याप्त संख्या में रोजगार नहीं मिल पा रहा है। इन सारे कारकों के कारण मध्य वर्ग ने अपने खर्चों में कटौती की है जिससे पिछले कुछ महीनों में उपभोग में गिरावट आई है। इन परेशानियों एवं चिन्ताओं को कम करने में इस बार का बजट राहतभरा होने की उम्मीदे हैं। बजट में विभिन्न उद्योगों, विशेषकर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) के लिए प्रोत्साहन योजनाओं की घोषणा से रोजगार

सृजन और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। सड़कों, रेल, बंदरगाहों और हवाई अड्डों के विकास के लिए बड़े पैमाने पर निवेश की योजना बनाई जा सकती है, जिससे लॉजिस्टिक्स में सुधार होगा और व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने और शिक्षा के स्तर में सुधार के लिए बजट में विशेष प्रावधान किए जा सकते हैं, जिससे मानव संसाधन का विकास हो सके। महिलाओं के लिए विशेष योजनाओं की घोषणा की जा सकती है, डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और डिजिटल लेन-देन को बढ़ावा देने के लिए नई योजनाएं लाई जा सकती हैं। उच्च शिक्षा और अनुसंधान संस्थानों के लिए अतिरिक्त अनुदान दिया जा सकता है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, और चिकित्सा के क्षेत्र में इनोवेशन को प्रोत्साहित करने के लिए नई योजनाएं लाई जा सकती हैं। मेक इन इंडिया पहल के तहत स्वदेशी हथियार निर्माण को प्रोत्साहित किया जाएगा। साइबर खतरों से निपटने के लिए रक्षा बजट का एक हिस्सा डिजिटल सुरक्षा पर केंद्रित हो सकता है। बुलेट ट्रेन परियोजनाओं और रेल नेटवर्क के आधुनिकीकरण को गति दी जाएगी। इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए सब्सिडी और बैटरी निर्माण में निवेश बढ़ाने की योजनाएं पेश की जा सकती हैं। गरीब कल्याण अन्न योजना का विस्तार कर मुफ्त राशन वितरण को जारी रखा जाएगा। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में घर उपलब्ध कराने के लिए बजट बढ़ाया जाएगा। यह बजट इसलिए विशेष रूप से उल्लेखनीय होगा क्योंकि मोदी सरकार ने देश के आर्थिक भविष्य को सुधारने पर ध्यान दिया, न कि लोकलुभावन योजनाओं के जरिये प्रशंसा पाने अथवा कोई राजनीतिक

लाभ उठाने की कोशिश की है। राजनीतिक हितों से ज्यादा देशहित को सामने रखने की यह पहल अनूठी है, प्रेरक है। अमृत काल का विजन तकनीक संचालित और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है। मोदी के विजन में जहां हर हाथ को काम का संकल्प साकार होता हुआ दिखाई दे रहा है, वहीं सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास का प्रभाव भी स्पष्ट रूप से उजागर हो रहा है। श्रम शक्ति की ओर ज्यादा तवज्जों देने की जरूरत है। बहुत सारे लोग औसत से अधिक कमाते हैं और बहुत सारे लोग कम। देखना यह है कि आम आदमी को कितना लाभ पहुंचता है। उम्मीद है कि निर्मला सीतारमण के बजट से क्या-क्या निकलता है। किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के आकार का मानक उस देश की जीडीपी होती है और बीते 12 वर्षों में भारत की जीडीपी ने तेज उछाल दर्ज की है। तमाम चुनौतियों को पार करते हुए अर्थव्यवस्था 7 फीसदी से अधिक विकास दर से दौड़ने की अपेक्षा है। तमाम तरह की अनुकूलताओं एवं गुलाबी अर्थ रंगों के बाधाओं पर भी ध्यान देना होगा। निजी बचत को बढ़ाये बगैर विकास की तेज रफ्तार का टिके रहना मुश्किल होगा। इसलिए इस ओर अभी से ध्यान देना जरूरी है। श्रम-शक्ति में महिलाओं की कम भागीदारी आर्थिक ही नहीं सामाजिक और अन्य दृष्टियों से भी चिंता की बात है। इस मामले में हम पड़ोस के बांग्लादेश और पाकिस्तान से भी पीछे हैं। एक फरवरी को होने वाली आर्थिक घोषणाओं को चाहे जो नाम दिया जाये, उनसे वह दशा एवं दिशा स्पष्ट होनी चाहिए कि भविष्य के लिये हम कौनसी राह पकड़ने वाले हैं। हम किस तरह से आदिवासी समुदाय के उन्नयन के लिये प्रतिबद्ध होंगे। भारत की अर्थव्यवस्था के उन्नयन एवं उम्मीदों को आकार देने की दृष्टि से हम किस तरह से मील का पथर साबित होंगे। किस तरह से समाज के सभी वर्गों का सर्वांगीण एवं संतुलित विकास सुनिश्चित होगा। इससे देश की अर्थव्यवस्था का जो नक्शा सामने आयेगा वह इस मायने में उम्मीद की छांव देने वाला साबित होगा, जिससे शहर एवं गांवों के संतुलित विकास पर बल मिल सकेगा। जिससे नया भारत- सशक्त भारत के निर्माण का संकल्प भी बदलावली बन सकेगा। सच्चाई यही है कि जब तक जमीनी विकास नहीं होगा, तब तक आर्थिक विकास की गति सुनिश्चित नहीं की जा सकेगी। अक्सर बजट में राजनीति, वोटनीति तथा अपनी व अपनी सरकार की छवि-वृद्धि करने के प्रयास ही अधिक दिखाई देते है लेकिन मोदी सरकार के बजट राजनीति प्रेरित नहीं होकर राष्ट्र प्रेरित रहे।

समाज में घुसपैठ कर रहा ‘ओपन मैरिज’ का कॉन्सेप्ट

दीक्षा पाठक

भारतीय संस्कृति में शादी को वह पवित्र बंधन माना जाता है। हिंदू धर्म और परंपरा में पति-पत्नी का रिश्ता पूर्वजन्म का संबंध होता है। समाज के भीतर यह रिश्ता सात जन्मों के बंधन के रूप में पूजा जाता है। विष्णु और लक्ष्मी से लेकर शिव-पार्वती तक विवाह का पवित्र बंधन आपसी विश्वास और प्रेम की अटूट डोर से बंधा होता है। कहा जाता है जन्म,मरण,परण सब विधि के हाथ होता है। इसका अर्थ है कि ना मनुष्य के हाथ में जन्म है, ना मृत्यु और ना ही विवाह का बंधन मनुष्य के हाथ होता है। कौन किसके साथ रिश्ते में बंधेगा यह सब विधाता के हाथ में होता है। अन्य धर्मों की तरह हिंदू धर्म में विवाह कभी ना टूटने वाला बंधन है यानी की यहां तलाक की व्यवस्था नहीं है। जीवन में एक बार पति या पत्नी के रूप में वरण कर लिया वह फिर आजीवन साथ निभाता है। हालांकि, बीते कुछ दशकों में सामाजिक परिवर्तनों के चलते और समाज के ढांचे में बदलाव के चलते परिवारिक ढांचा पूरी तरह से बदल गया है। आज हिंदू धर्म में तलाक एक न्यायिक व्यवस्था के अंतर्गत है। दो लोग आपसी सहमति से अलग हो सकते हैं जिसे न्यायपूर्वक और कानून द्वारा तय किया जाता है। बहरहाल, दांपत्य जितना प्रेम से परिपूर्ण रिश्ता है, उतना ही यह आपस विश्वास की डोर से बंधा



हुआ है। यह वह आपसी भरोसा ही है जिसके चलते एक परिवार की वंशावली निर्मित होती चली जाती है। लेकिन उत्तर आधुनिक समाज में बाजारवाद के प्रभाव के चलते सामाजिक संरचनाएं न केवल विखंडित हुई हैं बल्कि, संयुक्त परिवारों की तुलना में एकल परिवार का कॉन्सेप्ट शुरू हो गया है। पहले पति-पत्नी,

माता-पिता और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ रहते थे, लेकिन वैश्विक परिदृश्य में बदलाव के चलते खासतौर पर ग्लोबलाइजेशन के बाद के भारत में विखंडित हुआ है। अब केवल एकल परिवार रह गए हैं। जाहिर है इन एकल परिवारों में संयुक्त परिवार का आधार न होने के कारण पति और पत्नी के बीच

के संबंधों में दरार आई है। नौकरी पेशा जिंदगी, महानगरों में रहना, तनाव, आपसी विश्वास की कमी, यह सब संबंधों के टूटने का आधार रहे हैं। शादी के टूटने में सबसे बड़ी भूमिका निरसता, साथी की ओर से उपेक्षा, विवाहेतर संबंध। यह वह सब कारण हैं जिसके चलते ओपन मैरिज जैसे कंसप्ट 21वीं सदी में

हमारे सामने है। बीते एक दशक में समाज में तेजी से परिवर्तन के होने चलते रिलेशनशिप के कई तरह के कॉन्सेप्ट्स सामने आए हैं, उन्हीं में विवाह के अंगत एक कॉन्सेप्ट है, जिसे ओपन मैरिज कहा जा रहा है। समाजशास्त्रियों से लेकर के मनोवैज्ञानिक तक ओपन मैरिज के कॉन्सेप्ट को

एक तरह से स्वीकार्यता दे चुके हैं। पश्चिम का यह कॉन्सेप्ट भारतीय समाज में धीरे-धीरे प्रवेश कर रहा है। ओपन मैरिज का कॉन्सेप्ट न केवल महानगरों की देन है बल्कि यह अब धीरे-धीरे महानगरीय संस्कृति का हिस्सा बन रहा है। शादी में पति-पत्नी का संबंध भरोसे पर ही आधारित होता है। भरोसा एक ऐसा शब्द है कि अगर किसी व्यक्ति पर जघन्य अपराध का भी आरोप लगा हो और उसने अपनी पत्नी से मात्र इतना कह दिया कि क्या तुम्हें मुझपर भरोसा नहीं है तो उसकी पत्नी को किसी सबूत की जरूरत ही नहीं होगी। अगर शादी भरोसे का रिश्ता होता है तो क्या हमारा समाज इतना आगे बढ़ गया है कि अब इस रिश्ते में एक तीसरे व्यक्ति की भी जरूरत पड़ रही है। आश्चर्य की बात यह है कि आज के युवाओं में न केवल इसे सही माना जा रहा है बल्कि पसंद भी किया जा रहा है। सोशल मीडिया के इस दौर में कुछ भी छुपाना असंभव है। आज के समय में लोगों का रिश्ता भी बदलता जा रहा है और उसे निभाने का तरीका भी। एक तरफ तो कुछ लोग अपना सारा जीवन एक इंसान के साथ ही गुजारना चाहते हैं। वहीं, कुछ लोग जीवन में रोमांस को ज्यादा तवज्जो देते हैं और एक से ज्यादा रोमांटिक रिश्ते पसंद करते हैं। इसी तर्ज पर ओपन मैरिज का कॉन्सेप्ट

कपल्स के बीच काफी पसंद किया जा रहा है। ओपन मैरिज का चलन विदेशों में पहले से मौजूद था, लेकिन अब यह धीरे-धीरे भारत में भी लोकप्रिय हो रहा है। ओपन मैरिज का सीधा मतलब यही है कि आप अपनी शादी के बाद भी दूसरे व्यक्ति के साथ रिश्ता बना सकते हैं और इसमें आपके पार्टनर की भी रजामंदी हो। लोगों का कहना है कि यह कॉन्सेप्ट इसलिए ट्रेंड में आया ताकि लोगों में कम से कम तलाक हो और वह एक-दूसरे से बोर भी न हों। अब इसे पढ़कर एक सवाल यही मन में आता है कि यह कॉन्सेप्ट भारतीय कपल्स में कैसे ट्रेंड कर रहा है, जहां शादी को सात जन्मों का बंधन माना जाता है। इस कॉन्सेप्ट के आने से लोगों में शादी बस एक समझौता बनकर रह गया है। भारतीय समाज आज भी इस कॉन्सेप्ट को अपनाने के लिए तैयार नहीं है। ओपन मैरिज के आ जाने से भारत में लिव इन रिलेशनशिप का ट्रेंड भी बढ़ता जा रहा है और लोग शादी को बस एक खेल समझकर बैठ गए हैं। कुछ लोगों का कहना है कि ओपन मैरिज उन्हें स्वतंत्रता देती है। वहीं, कुछ लोगों का कहना है कि ओपन मैरिज करके भी वह अपने पार्टनर को धोखा नहीं देते हैं, लेकिन इन सब के बावजूद यह कहना गलत नहीं होगा कि ऐसे रिश्ते को समाज में शायद ही स्वीकार्यता मिलेगी।

मेला कमेटी ने श्री त्रिपुर मां बाला सुंदरी देवी शक्तिपीठ पर लगाने वाले मेले की तैयारियों का लिया जायजा

इस वर्ष मेले को भव्य रूप दिया जाएगा: मेला चेयरमैन प्रतिनिधि श्याम चौहान



गौरव सिंहल । सिटी चीफ (उ प्र) सहारनपुर । देवबंद, मेला कमेटी ने नगर पालिका परिषद देवबन्द के तत्वावधान में श्री त्रिपुर मां बाला सुंदरी देवी शक्तिपीठ पर लगाने वाले मेले की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान पालिकाध्यक्ष विपिन गर्ग ने अधिकारियों व कर्मचारियों को समय से पूर्व सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को दिशा-निर्देश दिए। मेले की तैयारियों को लेकर बैठक का आयोजन हुआ। इसके उपरांत पालिकाध्यक्ष विपिन गर्ग ने मेला कमेटी के साथ मेला स्थल का

निरीक्षण किया। इस दौरान चेयरमैन ने अधिकारियों व कर्मचारियों को मेला ग्राउंड की जमीनों का आवंटन 15 मार्च तक किए जाने, ग्राउंड में आवश्यकतानुसार मिट्टी भराव कराने, महावीर दल प्याऊ के स्थल को सही प्रकार निर्मित कराने, देवीकुंड मार्ग पर बने डिवाइडर और मेला ग्राउंड के सभी गेटों की रंगाई- पुताई कराए जाने को कहा। साथ ही मेले का अस्थाई विद्युत संयोजन स्वीकृत कराने और नवरात्रों से पूर्व माता के मंदिर की साज- सज्जा कराए जाने को

निर्देशित किया। साथ ही उन्होंने शहीद स्मारक से बाजार नंबर चार मीना बाजार तक के रास्ते को इंटरलॉकिंग लाइल्स से निर्मित कराने के निर्देश भी दिए। मेला चेयरमैन महक सिंह के प्रतिनिधि श्याम चौहान ने कहा कि इस वर्ष मेले को भव्य रूप दिया जाएगा। साथ ही मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाएगा। इस मौके पर निर्माण लिपिक मो. अकबर, सुंदरलाल, विपिन त्यागी, वसीम, मो. आरिफ, अख्तर अंसारी आदि मौजूद रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष बंसल ने किया सील्ड गोदाम का निरीक्षण

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी रजनीश कुमार मिश्र समेत संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे

गौरव सिंहल । सिटी चीफ (उ प्र) सहारनपुर, जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष बंसल ने भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार सील्ड मासिक निरीक्षण के तहत जिला निर्वाचन कार्यालय में बने गोदाम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सील्ड गोदाम सुव्यवस्थित पाये गये। अवगत कराना है कि निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुपालन में निर्वाचन की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के तहत ईवीएम एवं वीवीपेट के रखाव के दृष्टिगत सील्ड गोदाम का मासिक निरीक्षण किया जाना आवश्यक होता है। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी रजनीश कुमार मिश्र समेत संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।



सोसायटी मे छीने दस्तावेज, डाली शासकीय कार्य में बाधा

दो आरोपियों पर दर्ज हुआ मुकदमा



मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, जिले के बुढार थाना क्षेत्र अंतर्गत आदिम जाति सहकारी सेवा समिति चन्नौडी में शासकीय कार्य में व्यवधान उत्पन्न करने के मामले में थाना पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों में कृष्ण कुमार मिश्रा पिता हरिवंश कुमार मिश्रा तथा विकाश पाण्डेय पिता ओमप्रकाश पाण्डेय दोनों निवासी ग्राम चन्नौडी थाना बुढार शामिल हैं, आरोपियों के विरुद्ध बी एन एस की धारा 132, 221, 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है । **यह था पूरा मामला...** घटना के सम्बन्ध में मिली जानकारी के अनुसार आरोपी कृष्ण कुमार मिश्रा द्वारा बीते दिवस लैप्स चन्नौडी में अपनी धान बिन्नी करने के लिए गया था । जहां उसकी धान लेने के बाद उसे उसकी विधिवत रसीद काटकर दी गयी । लेकिन आरोपी द्वारा पहले तो एक बोरी और धान

की रसीद कम दिए जाने की बात कही गयी, इसे लेकर वहाँ पदस्थ कर्मचारी कमलेश श्रीवास्तव के साथ अभद्रता की गयी । इसके बाद आरोपी कृष्ण कुमार द्वारा सीएम हेल्प लाइन में लैम्प्स चन्नौडी की एक शिकायत की गयी । **दस्तावेजों के छीने के आरोप...** दरअसल उक्त शिकायत की जांच करने शहडोल से गठित दो सदस्यीय टीम जब लैप्स चन्नौडी पहुंची तो उन्होंने शिकायतकर्ता कृष्ण कुमार मिश्रा को बुलवाया तो वह अपने साथ विकास पाण्डेय के साथ वहाँ पहुँचा । जहां जांच करने वाली टीम के सामने ही उक्त दोनों लोग अभद्रता कर जांच लैप्स कर्मचारी साथ साथ जांच टीम पर ही आरोप लगाणा शुरू कर दिए, मामले में थाने में हुई शिकायत के अनुसार दोनों आरोपियों द्वारा शासकीय दस्तावेज भी छीने का प्रयास किया। गाली

गलौज भी की गयी। जांच टीम द्वारा इस कृत्य से कलेक्टर को भी अवगत कराए जाने की बात कही गयी है । **जांच उपरांत होगी कार्यवाही...** वही मामले में पुलिस ने बताया कि उक्त दोनों आरोपियों के खिलाफ पूर्व से भी थाने में आपराधिक मामले दर्ज हैं, कुछ दिनों पहले आरोपी विकास पाण्डेय द्वारा के विरुद्ध एक शासकीय चिकित्सक के द्वारा भी बुढार थाना में मामला दर्ज कराया गया था। उक्त मामले में अभी वह जमानत पर है, इसी प्रकार कृष्ण कुमार मिश्रा के खिलाफ भी अन्य आपराधिक मामला दर्ज होने की बात पुलिस द्वारा बताई जा रही है। बहरहाल इस मामले में आज लैम्प्स कर्मचारियों के ब्यान पुलिस द्वारा दर्ज किया गया है, तत्पश्चात आरोपियों के खिलाफ आगे की कानूनी कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

पुलिस ने नकली नोट सप्लाई करने वाले 10 हजार के इनामी शातिर आरोपी को किया गिरफ्तार

गौरव सिंहल । सिटी चीफ (उ प्र) सहारनपुर । सहारनपुर, जनपद की थाना कुतुबशेर पुलिस ने नकली नोट सप्लाई करने वाले 10 हजार के इनामी शातिर आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पंजाब से नकली नोट लाकर सहारनपुर में सप्लाई करता था। आरोपी काफी समय से फरार चल रहा था। जिस पर इनाम घोषित हुआ था। थाना कुतुबशेर इस्पेक्टर एचएन सिंह ने बताया कि पिछले दिनों नकली नोट सप्लाई करने वाले कुछ आरोपी पकड़े गए थे। जिनमें अजय कुमार



निवासी कमलानगर थाना फरकनगर हरियाणा को मोहाली से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के

हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। पृष्ठछाछ में आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसे और उसके भाई को पंजाब में रहने वाली एक महिला नकली नोट उपलब्ध कराती थी, जिसे वह सहारनपुर के अलावा वेस्ट यूपी के जिलों में भी चलाते थे, जिससे उनकी अच्छी कमाई हो जाती थी। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर सात हजार के नकली नोट भी बरामद किए हैं। आरोपी किस महिला से नकली नोट लेकर आते थे, इसके बारे में भी पता लगाया जा रहा है।

आपातकालीन स्थिति के लिए स्काउट गाइड का प्रशिक्षण जरूरी - एसपी देहात सागर जैन

गौरव सिंहल । सिटी चीफ (उ प्र) सहारनपुर, पायस एजुकेशनल ग्रुप गागलहेडी में विधिवत चल रहे तीन दिवसीय स्काउट एंड गाइड शिविर का शुभारंभ समारोह हैरतअंगेज प्रदर्शन के साथ शुरू हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि एसपी देहात सागर जैन, विशिष्ट अतिथि दिनेश गुप्ता, बृजेश गुप्ता, प्रवीण गुप्ता ने मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित एवं स्काउट एंड गाइड के ध्वज को फैलाकर किया। मनोज सिंधी सचिव हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड उत्तर प्रदेश ने सभी अतिथियों का स्कार्फ और गॉगल पहनाकर स्वागत किया। शिविर में 20 पेट्रोल ने प्रतिभाग किया। शिविर में सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं की श्रंखला में टोलियों ने प्रतिभाग किया। सभी टोलियों के द्वारा देश के विभिन्न राज्यों की संस्कृतिक विरासत, स्ट्रेचर, पिरामिड, मानव एंबुलेंस आदि का प्रस्तुतिकरण किया गया। मुख्य अतिथि सागर जैन ने स्काउट



गाइड के हैरतअंगेज प्रदर्शन का निरीक्षण करते हुए स्काउट प्रशिक्षकों की भरपूर प्रशंसा करते हुए कहा कि इस तरह के शिविर विद्यार्थियों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्काउट गाइड गतिविधियों ने केवल बच्चों को शारीरिक रूप से सक्षम बनाती है बल्कि उनमें सामाजिक

जिम्मेदारी और नैतिक मूल्यों का भी विकास करती है। सर्वप्रथम स्काउट गाइड ने मुख्य अतिथि को गाई ऑफ ऑनर देकर अभिवादन किया। संस्थान के प्रबंधक पंकज गर्ग ने स्काउट-गाइड को संबोधित करते हुए कहा कि स्काउट अनुशासन, एकता, कर्तव्य परायणता, देशभक्ति, साहस और

सामूहिक रूप से कार्य करना सिखाता है। इस मौके पर नेहा वर्मा, आकांक्षा शर्मा, छवि, श्वेता मेहरा, विभा शर्मा, स्वाति धीमान, ईशानी शर्मा, मानसी, डोली यादव, मोनाक्षी त्यागी, बबली यादव, वर्षा शर्मा, कुलदीप कुमार, मुकुल धीमान, रोहन, समद आदि उपस्थित रहे।

रायपुर के नवयुग और ज्ञानभारती हायर सेकेंडरी स्कूल

हीरापुर में हुआ ट्रेफिक जागरूकता क्लास का आयोजन



राजीव खरे । सिटी चीफ (छा) रायपुर, नवयुग और ज्ञानभारती हायर सेकेंडरी स्कूल, हीरापुर में एक विशेष ट्रेफिक जागरूकता क्लास का आयोजन किया गया, जिसमें स्कूल के छात्र-छात्राओं और शिक्षकगण ने सक्रिय रूप से भाग लिया। यह ट्रेफिक क्लास ट्रेफिक टीचर टी. के भोई और सुरक्षित भक् फाउंडेशन के संस्थापक डॉ. संदीप धुपड़ द्वारा लिया गया। उनके द्वारा छात्रों को सड़क सुरक्षा के महत्व, ट्रेफिक नियमों के पालन और सुरक्षित वाहन संचालन की आदतों के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। साथ ही लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस की प्रक्रिया के बारे में सभी को अवगत किया ।। इस जागरूकता सत्र में नवयुग विद्यालय की डायरेक्टर प्राची

और ज्ञान भारती हायर सेकेंडरी स्कूल के डायरेक्टर दिवाकर चंद्राकर रहे। साथ ही रायपुर ट्रेफिक विभाग से सहदेव वर्मा और संस्था से प्रदीप लोहड़ी एवं पल्लवी शामिल रही । इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को सड़क पर चलने और वाहन चलाने के दौरान सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। साथ ही ICE कार्ड यानी इन केस का इमरजेंसी कार्ड निशुल्क बांटा गया एवं उसकी महत्व भी बताई गई। इस कार्यक्रम का न केवल सड़क दुर्घटनाओं को कम करने का उद्देश्य था बल्कि स्कूल के बच्चों में जीवन की भागदौड़ पर ट्रेफिक सुरक्षा के महत्व को बढ़ावा था । जिसका आज यह अत्यंत सफल आयोजन रहा।

औचक निरीक्षण... कमिश्नर ने टटोली तहसील जयसिंहनगर की नब्ज

प्रभारी तहसीलदार सहित कई को लगाई फटकार जारी कारण बताओ नोटिस

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता ने तहसील कार्यालय जयसिंहनगर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कमिश्नर ने राजस्व प्रकरणों के निराकरण एवं कार्यों में उदासीनता बरतने पर प्रभारी तहसीलदार श्रीमती सुष्मा धुर्वे को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए तथा बनसुखली रीडर रामलखन बैगा के बिना सूचना कार्यालय में 12 बजे आने पर गहरी नाराजगी व्यक्त की गई। साथ ही नक्शा तरमीम, सीमांकन जैसे अन्य

राजस्व प्रकरण जयसिंहनगर रीडर तथा बनसुखली रीडर के द्वारा दर्ज ही नहीं किए गए जिस पर गम्भीर नाराजगी व्यक्त करते हुए दोनों रीडर, समय सीमा में प्रकरण का प्रतिवेदन नहीं देने पर पटवारी जयसिंहनगर राजभान सिंह, प्रकरणों को व्यवस्थित ना रखने तथा चार्ज हैंडओवर करते समय पूर्व रीडर संजय वर्मा रीडर एसडीएम जयसिंहनगर के कृत्य को भी कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता ने नकल शाखा, अभिलेखागार का



भी निरीक्षण किया तथा रिकॉर्डों को व्यवस्थित करने के निर्देश भी दिए। साथ ही लोगों ने अपनी समस्याएं भी कमिश्नर को बताई जिस पर त्वरित निराकरण करने के

निर्देश तहसीलदार को दिए। निरीक्षण के दौरान संभागीय सलाहकार आर सी एम एस उपेंद्र त्रिपाठी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

महाकुंभ स्नान के तीर्थयात्रियों से लूट की वारदात

रेलवे स्टेशन में चली चाकू, कार से आये बदमाश

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, महाकुंभ प्रयागराज स्नान के लिए जा रहे युवकों पर अज्ञात बदमाशों ने चाकू से हमला कर रूपयों से भरा बैग लूट कर फरार हो गए, इस घटना में एक युवक को चाकू लगी है, जिसे उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। घटना जबलपुर रेलवे स्टेशन में हुई है। मामले में जानकारी के अनुसार मौनी अमावस्या पर स्नान के लिए महाकुंभ प्रयागराज जा रहे ब्यौहारी के युवकों पर जबलपुर रेलवे स्टेशन में बदमाशों ने चाकू से हमला कर रुपए छुड़ा लिए। ब्यौहारी निवासी पवन गुप्ता की बहन की शादी जबलपुर में हुई है। शादी के बाद प्रयागराज जाने के लिए पवन के साथ उसके दोस्त विशाल गुप्ता 23 वर्ष, रितिक गुप्ता 23, अयुश केशरी 24, सत्यम गुप्ता 22 व लालचन्द गुप्ता 23 वर्ष रात्रि करीब दो बजे जबलपुर स्टेशन के प्लेटफॉर्म नम्बर एक के सामने पहुंचे। जैसे ही वे ऑटो से उतरकर अपना सामान



निकाल रहे थे उसी समय फोर व्हीलर वाहन से अज्ञात बदमाश पहुंचे और युवकों से कुछ कहा सुनी हो गई, जिसके बाद हाथापाई कर चाकू से हमला कर 20 हजार रुपये से भरा बैग लेकर भाग गए। विशाल गुप्ता की जांच में चाकू से हुए हमले के बाद टांके लगाए गए। उपचार के बाद युवक को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है शिकायत पर जबलपुर में प्रकरण दर्ज किया गया, वहीं सभी युवक वापस ब्यौहारी लौट आए।

इनका कहना है ।

आरोपियों की तलाश की जा रही है, तीन आरोपियों की पहचान कर ली गई है । आरोपी अभी फरार हैं। आरोपियों के विरुद्ध अपराध दर्ज कर विवेचना जारी है। युवकों से कार सवार युवकों की कुछ कहा सुनी हुई थी जिस पर दोनों का विवाद हुआ और इसी बीच चाकू चली है। एक युवक को चाकू लगी थी, उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी देकर उन्हें सभी को वापस उनके घर भेज दिया गया है। नेहरू खंडेस, थाना प्रभारी थाना सिविल लाइन, जबलपुर

दलबदल की राजनीति और शांति माफिया का पैतरा

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, जिले में इस समय नकली असली नेताओ को मानों अनि परीक्षा से गुजरना पद रहा है कुछ लोगों के तय खेमे उजाड़ गए है तो वही कुछ लोगो ने समय की डिमांड को भांपते हुए तय लिया है, कि आवश्यकता अविष्कार की जननी की इस राह प्रसस्थ करने में ही बुद्धिमानी है सो जिले भर के नेताओ का हुजूम और उस हुजूम के किसी जमाने के माई बाप अपनी ज़मीन तलाशने में जुट गए है, कुछ नाराज है तो उनको प्रदेश नेतृत्व की जलेबी से खुश कर दिया गया है, तो कुछ मंडल और नई नियुक्ति में वजनदार पदों का स्वप्न दिखाया गया है छ ऐसे नहीं है की सत्ता दल पार्टी के लोगो में तू तू मैं मैं चल रही है, इधर कांग्रेस पार्टी में नेतृत्व को लेकर एक, दो, तीन, फाड़ है इस पार्टी के कई नेताओ ने अपनी ही पार्टी को दल दल में डूबाने की दिशा में कार्य करते हुए करोडो के मिलकियत बना ली है यही वजह है कि तथाकथित नेता अब डूबती नाव को अलविदा कहते हुए सत्ता



में आसीन भाजपा का भगवा ओढ़ अवैध जारी काला कारोबार संरक्षित और संरक्षण लेने की फ़िराक में है । कुल मिलाकर शहडोल में तथाकथित कांग्रेसी नेताओ ने भाजपा की शरण लेने की खातिर चरण वंदना शुरू कर दी है, जिसमे एक भूमाफिया का नाम शीर्ष में है छ हालांकि कांग्रेस

पार्टी का चोला ओढ़े माफिया का यह बदलाव और हृदय परिवर्तन तब हो रहा है जब शहडोल पुलिस के प्रतिवेदन पर तथाकथित नेता और बिशुद्ध माफिया कारनामो की नस्तीबद्ध जिला बदर की फाइल डीएम ऑफिस तक पहुंच चुकी है छ क्या इस तरह से कोई प्रशासनिक कार्यवाही से बचने के

लिए भाजपा का दामन थमता है या क्या भाजपा शहडोल में ऐसे लोगो को पार्टी का हिस्सा बनाना चाहती है जो लगभग एक दर्जन भर एफआईआर दर्ज आदतन अपराधी की श्रेणी में आता है छ जनता के इस सवाल पर जिम्मेदारों को मंथन करना चाहिए ।

कहा से आ रही रानापुर क्षेत्र में अवैध शराब न पुलिस को न आबकारी विभाग को पता मुखबिरी से पकड़ाई लाखों की अवैध शराब

रानापुर- 30 जनवरी 2025 को आबकारी विभाग के मुलाजिमों ने मुखबिर की सूचना पर रानापुर विकास खंड के ग्राम टांडी में एक रिहायशी मकान से माउन्ट 6000 सुपर स्ट्रॉंग बियर केन कुल 304 पेटी अवैध शराब जब्त कर अपने कब्जे में ली है वही आरोपी बिह्ला पिता पांगला वसुनिया मौके से फरार हो गया उसके विरुद्ध आबकारी विभाग ने मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 एवं संशोधित अधिनियम 2000 की धारा 34(1)(क), 34(2) के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया है। संपूर्ण कार्यवाही की नवीन विधान के तहत विडियोग्राफी व फोटोग्राफी कि गयी। उक्त जब्त मदिरा का अनुमानित बाजार मूल्य राशि रुपये 9,48,480/- बताया जा रहा है। आपकी जानकारी हेतु बतादे की ग्राम टांडी रानापुर से दाहोद गुजरात की ओर जाने वाले रोड पर बसा हुआ है। गुजरात राज्य में पूर्णतया शराब बंदी लागू होकर गुजरात में झाबुआ जिले की सीमाओं से होकर अवैध शराब का परिवहन शराब माफियाओं के द्वारा किया जाता है मीडिया में प्रकाशित समाचार बताते है। ग्राम टांडी में लाखो रुपयों की अवैध शराब पकड़ाई है यह भी गुजरात राज्य



में तस्करी कर ले जाने के लिए रखी होगी क्योंकि टांडी जैसे छोटे से कस्बे में इतनी अवैध शराब की खपत संभव ही नहीं है। अवैध शराब संग्रहकर्ता को गिरफ्तार कर इसकी बारीकी से जांच की जावेगी तो संभवतः किसी बड़े

शराब परिवहन माफिया सिंडिकेट गिरोह का नाम उजागर हो सकता है। इसके पहले भी गुजरात सीमा से आगे रानापुर विकास खंड के एक गांव से अवैध शराब का पिकअप रानापुर पुलिस ने जब्त किया था।

ग्राम पंचायत रत्नी, जनपद पंचायत थांदला के पूर्व सरपंच एवं सचिवों के विरुद्ध वसूली के आदेश

कार्य में लापरवाही बरतने के फलस्वरूप तीन सचिव की 02-02 वेतनवृद्धि (असंचयी) प्रभाव से रोकी गई

थांदला/झाबुआ - मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं विहित प्राधिकारी जिला पंचायत झाबुआ म.प्र. के द्वारा पंचायतराज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 92 के अंतर्गत आदेश जारी किया गया है। ग्राम पंचायत रत्नी, जनपद पंचायत थांदला में वर्ष 2008-09 एवं 2011-12 में आंगनवाडी भवन के कार्य एवं उचित मूल्य की दुकान में अनावेदकगण ग्राम पंचायत रत्नी पूर्व सरपंच श्रीमती कमला राजु कटारा, जनपद पंचायत थांदला, ग्राम पंचायत रत्नी पूर्व सचिव प्रकाश अमलियार जनपद पंचायत थांदला (वर्तमान पदस्थ घुमडिया जनपद पंचायत थांदला), ग्राम पंचायत रत्नी पूर्व सचिव भूरा झोडिया जनपद पंचायत थांदला (वर्तमान पदस्थ नाहरपुरा जनपद पंचायत थांदला) को वसूली योग्य राशि रु. 24,938/- (चौबीस हजार नौ सौ अड़तीस रू मात्र), ग्राम पंचायत रत्नी पूर्व सचिव भूरा झोडिया, जनपद पंचायत थांदला (वर्तमान पदस्थ ग्राम पंचायत भैरूगढ जनपद पंचायत थांदला) द्वारा गलत तरीके से शासकीय धन का आहरण कर उसका दुरुपयोग किया गया। अनावेदकगणों द्वारा शासकीय राशि रु. 3,34,754/- का आहरण गलत तरीके से किया गया। इसलिए प्रदाय राशि के कार्य समयसीमा में पूर्ण नहीं

करते हुये शासकीय धन अपनी अभिरक्षा में अनाधिकृत रूप से आहरण कर रखना प्रमाणित होने से इन्हें कर्तव्य निर्वहन में लापरवाही मानते हुये सभी को उक्त कृत्य के लिये संयुक्त रूप से उत्तरदायी है। अपने कार्यकाल के दौरान शासकीय धन की प्रतिपूर्ति करने के लिये ग्राम पंचायत रत्नी पूर्व सरपंच श्रीमती कमला राजु कटारा, जनपद पंचायत थांदला की वसूली योग्य राशि रु. 1,42,440/- (एक लाख बयालीस हजार चार सौ चालीस मात्र), ग्राम पंचायत रत्नी पूर्व सचिव प्रकाश अमलियार जनपद पंचायत थांदला (वर्तमान पदस्थ ग्राम पंचायत घुमडिया जनपद थांदला) की वसूली योग्य राशि रु. 24,938/- (चौबीस हजार नौ सौ अड़तीस रू मात्र), ग्राम पंचायत रत्नी पूर्व सचिव भूरा झोडिया, जनपद पंचायत थांदला (वर्तमान पदस्थ ग्राम पंचायत नाहरपुरा जनपद थांदला) की वसूली योग्य राशि रु. 1,42,438/- (एक लाख बयालीस हजार चार सौ अड़तीस रू मात्र) एवं ग्राम पंचायत रत्नी पूर्व सचिव दलसिंह भूरिया जनपद पंचायत थांदला (वर्तमान पदस्थ ग्राम पंचायत नाहरपुरा जनपद थांदला) की वसूली योग्य राशि रु. 24,938/- (चौबीस हजार नौ सौ अड़तीस रू मात्र) वसूली के आदेश पारित किये जाते है। साथ ही अनावेदक ग्राम पंचायत रत्नी पूर्व सचिव प्रकाश अमलियार जनपद पंचायत थांदला (वर्तमान पदस्थ ग्राम

पंचायत घुमडिया जनपद थांदला), ग्राम पंचायत रत्नी पूर्व सचिव भूरा झोडिया जनपद पंचायत थांदला (वर्तमान पदस्थ ग्राम पंचायत नाहरपुरा जनपद थांदला) एवं ग्राम पंचायत रत्नी पूर्व सचिव दलसिंह भूरिया जनपद पंचायत थांदला (वर्तमान पदस्थ ग्राम पंचायत भैरूगढ जनपद थांदला) को अपने कार्य में लापरवाही बरतने के फलस्वरूप तीनों की 02-02 वेतनवृद्धि (असंचयी) प्रभाव से रोकी जाती है। इसके साथ ही म.प्र. पंचायतराज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 के अंतर्गत अधिनियम धारा क्रमांक 92 (3) (क) के प्रावधान अनुसार ग्राम पंचायत रत्नी पूर्व सरपंच श्रीमती कमला राजु कटारा, जनपद पंचायत थांदला से वसूली योग्य राशि भू-राजस्व के बकाया तौर पर वसूली किये जाने के आदेश के साथ ही धारा क्रमांक 92 (5) के प्रावधान अनुसार कार्यवाही हेतु आदेश पारित किये जाते है। पारित आदेश के संबंध में वसूली की राशि एक माह के अंदर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत थांदला में अनिवार्य रूप से जमा कराई जावे। समयावधि में राशि जमा नहीं करने पर संबंधितो के विरुद्ध भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 146 एवं 147 तथा म.प्र. पंचायतराज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 92 के तहत नियमानुसार कार्यवाही नियत की जाती है।



कुक्षी (नि प्र) प्रदेशभर में अपने अनेक वर्षों से सीमित संसाधनों में श्रेष्ठ शिक्षा, संस्कृति, संस्कार के साथ – साथ रोजगार प्रदान करने में अपनी अहम भूमिका प्रदान करने वाले प्रायवेट वि?द्यालयों पर मान्यता नवीनीकरण के लिए शासन ने तर्कहीन, अव्यवहारिक, औचित्यहीन एवं पालकों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ बढ़ाने वाले नियमों का समस्त प्रायवेट वि?द्यालय संगठन विरोध किया है। बदले नियमानुसार रजिस्टर्ड विद्यालय संचालन हेतु संस्था व षष्ठ के नाम से 40000/ की षष्ठ का प्रावधान, ऋज्जश्च में निःशुल्क शिक्षण प्रदान की अनिवार्यता के पश्चात भी प्रति वर्ष विद्यालय पर 4000/-की राशि अधिरोपित करना जबकि वि?द्यालय को अनेकों बार ऑनलाइन जानकारी हेतु स्वयं

अपनी और से प्रति विद्यार्थी शुल्क जमा करना होता है। शिक्षक-शिक्षिकाओं के आधार सत्यापन, अनावश्यक प्रमाणीकरण की अनिवार्यता आदि के साथ ही अनावश्यक डाटा कलेक्शन आदि में विद्यालयों पर दबाव ऋज्जश्च में निःशुल्क शिक्षण देने के बाद भी समय पर भुगतान न होना भुगतान हेतु अनेक जटिल प्रक्रियाएं विद्यालय संचालन में व्यवधान एवं विसंगतियां प्रस्तुत कर रहीं हैं। शिक्षा, संस्कार एवं रोजगार प्रदान कर रही संस्थाओं हेतु शासन के नियम पूर्व की भांति सरल एवं नीतिसंगत हों न क्लिष्ट एवं अनावश्यक भ्रांतियां तनाव प्रदान करने वाले । बार-बार अनुनय विनय, आग्रह करने पर भी उचित निर्णय न लेने के विरोध में समस्त एसोसिएशन मजबूरन 30 जनवरी 2025 को विद्यालय बंद रखने का निर्णय लेने के लिए मजबूर हुए।

प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम आईएएस एसडीएम विशाल धाकड़ व विधायक सुरेन्द्र सिंह बघेल को दिया गया उक्त विसंगतियां दूर करने को लेकर ज्ञापन सौंपा ज्ञापन के पूर्ण राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्य तिथी होने पर उनकी प्रतिमा पर माल्या अर्पण कर श्रद्धांजलि दी गई इस अवसर पर एलिजियन्स स्कूल, ब्राईट स्कूल, श्रीजी विहार, वैधनाथ स्कूल, रम्मी-डम्पी स्कूल, कुक्षी पब्लीक स्कूल, शारदा बालविद्या मंदीर, युनिक स्कूल, रेडियन्ट स्कूल, परफेक्ट स्कूल, स्मार्ट किड्स, जिनियस स्कूल पुष्पम एकेडमी, दाताहरी स्कूल के ड्राइरेक्टर उपस्थित थे ज्ञापन का वाचन श्री मति पद्मिनी चौहान ने किया अंत मे सभी का आभार प्राइवेट स्कूलस् एसोसिएशन तहसील अध्यक्ष डॉ निर्मल कुमार पाटीदार ने व्यक्त किया

ग्राम पंचायत रत्नी, जनपद पंचायत थांदला के पूर्व सरपंच एवं सचिवों के विरुद्ध वसूली के आदेश

झाबुआ
कार्य में लापरवाही बरतने के फलस्वरूप तीन सचिव की 02-02 वेतनवृद्धि (असंचयी) प्रभाव से रोकी गई
मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं विहित प्राधिकारी जिला पंचायत झाबुआ म.प्र. के द्वारा पंचायतराज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 92 के अंतर्गत आदेश जारी किया गया है। ग्राम पंचायत रत्नी, जनपद पंचायत थांदला में वर्ष 2008-09 एवं 2011-12 में आंगनवाड़ी भवन के कार्य एवं उचित मूल्य की दुकान में अनावेदकगण ग्राम पंचायत रत्नी पूर्व सरपंच श्रीमती कमला राजु कटारा, जनपद पंचायत थांदला, ग्राम पंचायत रत्नी पूर्व सचिव श्री प्रकाश अमलियार जनपद पंचायत थांदला (वर्तमान पदस्थ ग्राम पंचायत रत्नी पूर्व सचिव श्री भूरा झोडिया, घुमडिया जनपद पंचायत थांदला), ग्राम पंचायत रत्नी पूर्व सचिव श्री भूरा झोडिया जनपद पंचायत थांदला (वर्तमान पदस्थ नाहरपुरा जनपद पंचायत थांदला) एवं ग्राम पंचायत रत्नी पूर्व सचिव श्री दलसिंह भूरिया, जनपद पंचायत थांदला (वर्तमान पदस्थ भैरूगढ जनपद पंचायत थांदला) द्वारा गलत तरीके से शासकीय धन का आहरण कर उसका दुरुपयोग किया गया। अनावेदकगणों द्वारा शासकीय राशि रू. 3,34,754/- का आहरण गलत तरीके से किया गया। इसलिए प्रदाय राशि के कार्य समयसीमा में पूर्ण नहीं करते हुये शासकीय धन अपनी अभिरक्षा में अनाधिकृत रूप

से आहरण कर रखना प्रमाणित होने से इन्हें कर्तव्य निर्वहन में लापरवाही मानते हुये सभी को उक्त कृत्य के लिये संयुक्त रूप से उत्तरदायी है। अपने कार्यकाल के दौरान शासकीय धन की प्रतिपूर्ति करने के लिये ग्राम पंचायत रत्नी पूर्व सरपंच श्रीमती कमला राजु कटारा, जनपद पंचायत थांदला की वसूली योग्य राशि रू. 1,42,440/- (एक लाख बयालीस हजार चार सौ चालीस मात्र), ग्राम पंचायत रत्नी पूर्व सचिव श्री प्रकाश अमलियार जनपद पंचायत थांदला (वर्तमान पदस्थ ग्राम पंचायत रत्नी पूर्व सचिव श्री भूरा झोडिया, जनपद पंचायत थांदला) की वसूली योग्य राशि रू. 24,938/- (चौबीस हजार नौ सौ अड़तीस रू मात्र), ग्राम पंचायत रत्नी पूर्व सचिव श्री भूरा झोडिया, जनपद पंचायत थांदला (वर्तमान पदस्थ ग्राम पंचायत रत्नी पूर्व सचिव श्री दलसिंह भूरिया जनपद पदस्थ भैरूगढ जनपद पंचायत थांदला) द्वारा गलत तरीके से शासकीय धन का आहरण कर उसका दुरुपयोग किया गया। अनावेदकगणों द्वारा शासकीय राशि रू. 3,34,754/- का आहरण गलत तरीके से किया गया। समयसीमा में पूर्ण नहीं करते हुये शासकीय धन अपनी अभिरक्षा में अनाधिकृत रूप

पंचायत घुमडिया जनपद थांदला), ग्राम पंचायत रत्नी पूर्व सचिव श्री भूरा झोडिया जनपद पंचायत थांदला (वर्तमान पदस्थ ग्राम पंचायत नाहरपुरा जनपद थांदला) एवं ग्राम पंचायत रत्नी पूर्व सचिव श्री दलसिंह भूरिया जनपद पंचायत थांदला (वर्तमान पदस्थ ग्राम पंचायत रत्नी पूर्व सचिव श्री भूरा झोडिया, जनपद पंचायत थांदला) की वसूली योग्य राशि रू. 24,938/- (चौबीस हजार नौ सौ अड़तीस रू मात्र), ग्राम पंचायत रत्नी पूर्व सचिव श्री दलसिंह भूरिया जनपद पंचायत थांदला (वर्तमान पदस्थ ग्राम पंचायत रत्नी पूर्व सचिव श्री भूरा झोडिया, जनपद पंचायत थांदला) द्वारा गलत तरीके से शासकीय धन का आहरण कर उसका दुरुपयोग किया गया। अनावेदकगणों द्वारा शासकीय राशि रू. 3,34,754/- का आहरण गलत तरीके से किया गया। समयसीमा में पूर्ण नहीं करते हुये शासकीय धन अपनी अभिरक्षा में अनाधिकृत रूप

मडावदा शिशु मंदिर ने किया नागरिक सम्मान

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर मड़ावदा द्वारा नागरिक सम्मान किया गया

उज्जैन
ग्राम पंचायत मड़ावदा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाज के हित में कार्य करने वाले नागरिक का सम्मान आपके द्वारा ग्राम पंचायत में अपने निजी संसाधन से जलप्रदाय किया जाता है श्री अमृतलाल जी पाटीदार श्री हीरालाल जी पाटीदार श्री मांगीलाल जी राठौड़ श्री अर्जुन डाबी (मध्य प्रदेश विद्युत मंडल में भी आप सेवाएं देते हैं) श्री ईश्वर लाल जी अपने स्वयं का रक्त देकर समाज की सेवा करने वाले श्री रवि बैरागी



27 बार रक्तदान किया और श्री संदीप पाटीदार 19 बार रक्तदान किया शासकीय शिक्षक के पद पर पदस्थ श्री सत्यनारायण जी उपाध्याय आपके द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में अनेक उत्कृष्ट कार्य किए गए आप समाज को विकसित करने

सफाई अभियान के साथ लगाया पौधा

उज्जैन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की पुण्यतिथि पर आज नगर पालिका परिषद खाचरोद द्वारा विशेष सफाई अभियान चलाया गया और जहां बहुत ज्यादा गंदगी होती थी वहां सफाई करवाकर पौधे लगाए गए,और लोगों को गंदगी नहीं करने के लिए जागरूक किया गया, इस अवसर पर न. पा.अध्यक्ष गोविंद जी भुरावा, स्वच्छता समिति के सभापति नारायण मंडावेलिया, पार्षद दशरथ वात्करिया, पार्षद प्रतिनिधि लखन गोहर, सरपंच विरम गुर्जर, शहर युवा कांग्रेस अध्यक्ष शाहरुख खान, रवि धाकड़, शिवम संगीतला, आदि उपस्थित थे ।



सुश्री भत्या मित्तल ने कलेक्टर खरगोन का कार्यभार संभाला

खरगोन बुरहानपुर से स्थानांतरित होकर आयी सुश्री भव्या मित्तल ने गुरुवार को कलेक्टर खरगोन का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। मित्तल वर्ष 2014 बेच की भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी है। इससे पहले वे बुरहानपुर में कलेक्टर के पद पर कार्यरत थी। मित्तल नीमच में जिला पंचायत सीईओ, इंदौर नगर निगम में आयुक्त, इंदौर एवं राजगढ़ में अपर कलेक्टर, धार-पीथमपुर एवं सतना जिले के नागौद में एसडीएम के पद पर अपनी सेवाएं दे चुकी है।



मित्तल ने कलेक्ट्रेट भवन में लगने वाले कार्यालयों एवं विभिन्न शाखाओं का निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं को देखा। उन्होंने कलेक्ट्रेट कार्यालय की निर्वाचन शाखा, नाजरात शाखा, खाद्य एवं आपूर्ति, खनिज शाखा, ई-गवर्नेंस, भू-अभिलेख, जिला कोषालय, जिला जनसंपर्क कार्यालय, महिला एवं बाल विकास, एनआईसी, लोक सेवा प्रबंधन, राहत शाखा, जनसुनवाई कक्ष का निरीक्षण किया। इस दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती रेखा राठौर, संयुक्त कलेक्टर सत्यानारायण दरौं, श्रीमती हेमलता सोलंकी, डिप्टी कलेक्टर सुश्री पूर्वा मंडलोई लोकेश छापरे एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

कलेक्ट्रेट पहुंचने पर अधिकारियों ने किया स्वागत नवागत कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल के कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचने पर अपर कलेक्टर श्रीमती रेखा राठौर, संयुक्त कलेक्टर सत्यानारायण दरौं, श्रीमती हेमलता सोलंकी एवं अन्य अधिकारियों ने उनका स्वागत किया।

भारत के स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों की स्मृति में कलेक्टर कार्यालय में 2 मिनट का मौन धारण



नर्मदापुरम भारत के स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों की स्मृति में आज 30 जनवरी को कलेक्टर कार्यालय में 2 मिनट का मौन धारण किया गया। मौन धारण प्रातः 11:00 बजे से 11:02 बजे तक किया गया। इस दौरान, सायनर की आवाज से सुचना दी गई, जो 10:59 बजे से 11:00 बजे तक और समाप्ति के बाद 11:02 बजे से 11:03 बजे तक बजाया गया। मौन धारण के दौरान अपर कलेक्टर श्री डीके सिंह, संयुक्त कलेक्टर श्री अनिल जैन, डिप्टी कलेक्टर डॉ बबिता राठौर, सिटी मजिस्ट्रेट श्री बृजेंद्र रावत सहित कलेक्टर कार्यालय के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारियों ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में शहीद हुए सेनानियों की स्मृति में मौन धारण कर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके बलिदान को याद किया।

सुश्री भत्या मित्तल ने कलेक्टर खरगोन का कार्यभार संभाला

खरगोन बुरहानपुर से स्थानांतरित होकर आयी सुश्री भव्या मित्तल ने 30 जनवरी को कलेक्टर खरगोन का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। सुश्री मित्तल वर्ष 2014 बेच की भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी है। इससे पहले वे बुरहानपुर में कलेक्टर के पद पर कार्यरत थी। सुश्री मित्तल नीमच में जिला पंचायत सीईओ, इंदौर नगर निगम में आयुक्त, इंदौर एवं राजगढ़ में अपर कलेक्टर, धार-पीथमपुर एवं सतना जिले के नागौद में एसडीएम के पद पर अपनी सेवाएं दे चुकी है।



शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों का होगा प्रभावी क्रियान्वयन कलेक्टर सुश्री मित्तल ने कार्यभार ग्रहण करने से पहले नवग्रह की नगरी खरगोन के नवग्रह मंदिर में पूजा अर्चना की तथा नवग्रह मेले का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने नवग्रह मंदिर में बनाए जा रहे नवग्रह लोक के बारे में जानकारी ली। नवग्रह मेला के निरीक्षण के दौरान उन्होंने मेले की व्यवस्था, दुकानों के आबंटन की व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली।

में होती है। अतः कपास एवं मिर्च की खेती करने वाले किसानों को जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। एक जिला एक उत्पाद के अंतर्गत खरगोन जिले में मिर्च का चयन किया गया है। अतः मिर्च उत्पादन एवं उससे तैयार होने वाले प्रोडक्ट की मार्केटिंग पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने पर काम किया

ध्वस्त की जा चुकी दरगाह पर उर्स आयोजित करने की अनुमति देने संबंधी याचिका खारिजसुप्रीम कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली । गिर सोमनाथ जिले में ध्वस्तीकरण मामले में सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सुनवाई की। इस दौरान उच्चतम न्यायालय ने ध्वस्त की जा चुकी दरगाह पर 1 से 3 फरवरी तक उर्स आयोजित करने की अनुमति देने संबंधी याचिका खारिज कर दी। गुजरात के अधिकारियों ने कोर्ट को बताया कि सरकारी जमीन पर बने मंदिरों समेत अनधिकृत निर्माणों को जर्मीदोज किया गया है। उल्लेखित भूमि पर धार्मिक कार्यक्रमों समेत किसी भी तरह की गतिविधियों की अनुमति नहीं दी जा रही।

सॉलिसिटर जनरल की दलील के बाद फैसला न्यायमूर्ति बीआर गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने गुजरात सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलों पर गौर किया कि सरकारी जमीन पर मंदिरों समेत सभी अनधिकृत निर्माण को ध्वस्त कर दिया गया है। मेहता ने कहा कि उक्त भूमि पर हिंदू धार्मिक अनुष्ठानों समेत किसी भी गतिविधि की अनुमति नहीं दी जा रही, जिसपर पहले अतिक्रमण था।



आवेदक की दलील आवेदक की ओर से उपस्थित वकील ने कहा कि वहां एक दरगाह थी, जिसे प्राधिकारियों ने ध्वस्त कर दिया। उन्होंने कहा कि दरगाह पर चउर्सज उत्सव मनाने की परंपरा पिछले कई वर्षों से जारी है और अधिकारियों ने गुरुवार को इसके

लिए अनुमति देने से इनकार कर दिया। पीठ ने कहा कि मुख्य मामले को सुने बिना आवेदन में किए गए अनुरोध को स्वीकार नहीं किया जा सकता। **27 जनवरी को कोर्ट ने क्या कहा था?** इससे पहले शीर्ष कोर्ट ने 27 जनवरी को कहा था कि वह

गिर सोमनाथ जिले में बिना पूर्व अनुमति के आवासीय और धार्मिक संरचनाओं को कथित रूप से ध्वस्त करने के लिए गुजरात के अधिकारियों के खिलाफ अवमानना याचिका समेत विभिन्न याचिकाओं पर तीन सप्ताह बाद सुनवाई करेगी।

कोच्चि में ऑपरेशन क्लीन के तहत की गई बड़ी कार्रवाई

अवैध तरीके से रहने वाले 27 बांग्लादेशी गिरफ्तार



कोच्चि केरल के कोच्चि में अवैध तरीके से रहने और नौकरी करने आरोप में 27 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। एर्नाकुलम ग्रामीण पुलिस और आतंकवाद निरोधी दस्ता द्वारा चलाए गए संयुक्त अभियान के तहत एर्नाकुलम के परावुर क्षेत्र से उन्हें गिरफ्तार किया गया। बांग्लादेशी नागरिक पश्चिम बंगाल के प्रवासी श्रमिकों की आड़ में विभिन्न स्थानों पर काम कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि फिलहाल गिरफ्तार लोगों से विस्तृत पूछताछ की जा रही है।

गुप्त सूचना मिलने के बाद की गई कार्रवाई यह गिरफ्तारी चल रहे विशेष अभियान ऑपरेशन क्लीन का हिस्सा है। इस अभियान को दो सप्ताह पहले 28 वर्षीय बांग्लादेशी नागरिक तस्लीमा बेगम की गिरफ्तारी के बाद एर्नाकुलम ग्रामीण जिला पुलिस प्रमुख वैभव सक्सेना ने लॉन्च किया था। उत्तरी परावुर में बांग्लादेशी नागरिकों के अवैध तरीके से रहने की गुप्त सूचना मिलने के बाद एटीएस की सहायता से एर्नाकुलम पुलिस ने तलाशी अभियान चलाया। उनके दस्तावेजों से खुलासा हुआ कि वे सभी बांग्लादेशी नागरिक हैं जो

भारतीय बनकर भारत में अवैध तरीके से रह रहे हैं। **पश्चिम बंगाल से सीमा पार कर आए बांग्लादेशी नागरिक** पुलिस के अनुसार, वे सभी पश्चिम बंगाल से सीमा पार कर आए थे। कोच्चि पहुंचने से पहले उन्होंने एजेंट के माध्यम से आधार कार्ड और अन्य दस्तावेज प्राप्त किए। वे विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत थे, उनमें से कई श्रमिक कैंप में रहते थे। उनकी गतिविधियों की जांच की जा रही है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस स्थिति में फिलहाल ज्यादा जानकारी का खुलासा नहीं किया जा सकता है। यह एक महीने के भीतर देश में बांग्लादेशी नागरिकों की सबसे बड़ी गिरफ्तारी हो सकती है। पुलिस ने बताया कि इन गिरफ्तारियों के साथ इस महीने एर्नाकुलम ग्रामीण जिला पुलिस सीमा में हिरासत में लिए गए बांग्लादेशियों की संख्या बढ़कर 34 हो गई है। इन गिरफ्तारियों के बाद पुलिस ने अवैध तरीके से सीमा पार कर फर्जी दस्तावेज हासिल करवाने वाले एजेंटों का पता लगाने के लिए पश्चिम बंगाल तक अपनी जांच का विस्तार करने का निर्णय लिया।

गणतंत्र दिवस परेड: देश में बजा गुजरात की झांकी का डंका, पॉपुलर चॉइस में सर्वाधिक वोट पाने के लिए मिली ट्रॉफी

गांधीनगर 76वें गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित राष्ट्रीय परेड में गुजरात के टैब्लो ‘आनर्तपुर से एकतानगर तक- विरासत से विकास का अद्भुत संगम’ को ‘पॉपुलर चॉइस अवॉर्ड’ कैटेगरी में लगातार तीसरे वर्ष पहला स्थान प्राप्त हुआ है। नई दिल्ली में शुक्रवार को राष्ट्रीय रंगशाला शिबिर स्थित झनकार हॉल में टैब्लो संबंधी अवॉर्ड वितरण समारोह आयोजित हुआ। समारोह में रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ के करकमलों से गुजरात सरकार की ओर से सूचना एवं प्रसारण सचिव अवंतिका सिंह औलख ने विजेता ट्रॉफी तथा प्रशस्ति पत्र स्वीकार किए। इस अवसर पर सूचना निदेशक केएल बचाणी और संयुक्त सूचना निदेशक डॉ. संजय कचोट उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में रक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव अमिताभ पाठक, डायरेक्टर-सेरीमोनियल विकास कुमार और रक्षा मंत्रालय के विशेष कार्याधिकारी शिव कुमार सहित अधिकारी भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने पिछले तीन वर्षों से गुजरात के टैब्लो के पॉपुलर चॉइस कैटेगरी में प्रथम स्थान प्राप्त करने की गौरवपूर्ण उपलब्धि पर गुजरात के सभी नागरिकों को हृदयपूर्वक अभिनंदन देते हुए आभार व्यक्त किया है। सीएम पटेल ने विश्वास व्यक्त किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ‘विरासत भी, विकास



भी’ का जो मंत्र दिया है, उसे गुजरात जन भागीदारी से साकार कर रहा है और भविष्य में भी अग्रसर रहेगा। 76वें गणतंत्र पर्व की राष्ट्रीय परेड में नई दिल्ली में कर्तव्य पथ पर विभिन्न राज्यों व सरकार के विभागों के 31 टैब्लोज प्रस्तुत किए गए थे। गुजरात राज्य के सूचना विभाग द्वारा प्रस्तुत टैब्लो में प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा तथा मार्गदर्शन में गुजरात के आधुनिक विकास की छलांग लगाए जाने की विकास गाथा को प्राचीन विरासत की झांकी के साथ प्रस्तुत किया गया। इस परेड में प्रस्तुत हुए टैब्लोज के लिए नागरिक अपने वोट ऑनलाइन देकर ‘पॉपुलर चॉइस’ के श्रेष्ठ टैब्लो का चयन कर सकें। ऐसा नूतन और पारदर्शी दृष्टिकोण प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से अपनाया गया है, जिसमें गुजरात लगातार तीसरे वर्ष प्रथम स्थान पर रहकर विजेता बना है। गुजरात के टैब्लो ने पॉपुलर चॉइस कैटेगरी

अवॉर्ड मे अग्रसर रहने की परंपरा 2023 के 74वें गणतंत्र पर्व की राष्ट्रीय परेड से शुरू की है। इस परेड में राज्य सरकार ने ‘क्लीन-ग्रीन एनर्जीयुक्त गुजरात’ के टैब्लो में प्रधानमंत्री के रियेबल एनर्जी के अधिकतम उपयोग के आह्वान को साकार करने में गुजरात की पहल को झांकी प्रस्तुत की थी। 2024 के 75वें गणतंत्र पर्व की राष्ट्रीय परेड में गुजरात के टैब्लो ‘धोरडो, वर्ल्ड बेस्ट टूरिज्म विलेज-यूएनडब्ल्यूटीओ’ की प्रस्तुति को भी ‘पॉपुलर चॉइस’ कैटेगरी में पहला स्थान मिला था। इतना ही नहीं, टैब्लोज की श्रेष्ठता की चयन समिति-जुरी की चॉइस में भी गुजरात के इस टैब्लो ने दूसरा स्थान प्राप्त किया था। इसी परंपरा में एक और उपलब्धि प्राप्त करते हुए 76वें गणतंत्र पर्व की राष्ट्रीय परेड में गुजरात के टैब्लो ने लगातार तीसरी बार पहला स्थान प्राप्त कर हैट्रिक लगाने का गौरव हासिल किया है।

राक्षसी मां ! मामूली वजह कारण 13 साल की बेटी को अंधेरे कमरे में रखा, मूख से तड़पा-तड़पा कर ली जान

पराध का एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक मां ने अपनी 13 वर्षीय बेटी को भूख से तड़पा-तड़पा कर मार डाला। फ्रांस में इस घटना में महिला ने बच्ची के साथ करुता की हदें सिर्फ इसलिए पार क्योंकि वह अपने पिता जैसी दिखती थी। इस अमानवीय अपराध के लिए 54 वर्षीय सैंड्रिन पिस्सारा को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। अगस्त 2020 में हुई इस घटना में 13 वर्षीय अमांडाइन की मौत के समय वजन मात्र 28 किलोग्राम था। मेडिकल रिपोर्ट में सामने आया कि बच्ची कुपोषण और गंभीर संक्रमण (सेप्टीसीमिया) से पीड़ित थी। उसके शरीर पर कई जखम थे, चेहरा सूजा हुआ था, कई दांत टूट चुके थे, और उसके बाल जबरदस्ती खींचे गए थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमांडाइन को हफ्तों तक एक अंधेरे और बिना छिड़की वाले स्टोरेज रूम में बंद रखा गया। उसे खाने से वंचित किया गया और छोटी-छोटी गलतियों पर बेरहमी से पीटा जाता था। मां उस पर मुझे, लात और झाड़ू से हमला करती, बली पर लगातार मानसिक और शारीरिक यातनाएं दी गईं। मां ने उसे कैमरे की निगरानी में रखा ताकि वह हर समय उस पर नजर रख सके। पिस्सारा ने अदालत में माना कि उसने अपनी बेटी के साथ इसलिए दुर्व्यवहार किया क्योंकि वह अपने पिता जैसी दिखती थी और उसे अपने पूर्व पति से घृणा थी। मां सैंड्रिन पिस्सारा को 20 साल की न्यूनतम सजा के साथ आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। वहीं, उसके पूर्व साथी जीन-मिशेल क्रॉस को भी अमांडाइन के साथ हुई यातनाओं के लिए 20 साल की जेल की सजा मिली है। अंतिम सुनवाई के दौरान पिस्सारा ने खुद को राक्षसी मां बताया और रोते हुए कहा, मैं अपने बच्चों से माफ़ी मांगना चाहती हूँ, बस इतना ही। यह मामला माता-पिता की करुता का एक भयावह उदाहरण है, जिसने पूरे फ्रांस को झकझोर कर रख दिया है।

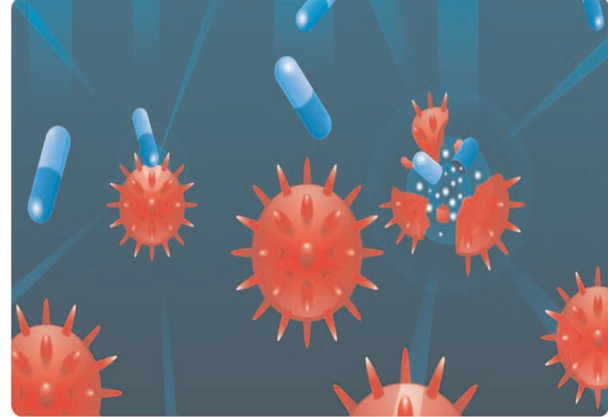
हमास ने फिर किया धोखा ! 8 के बजाय सात इजराइली बंधक किए रिहा, साथ में दिए बैग और सर्टीफिकेट

इजराइल की सेना ने बुधवार को कहा कि रेड क्रॉस ने हमास की ओर से सात बंधकों को उसके हवाले किए जाने की पुष्टि की है, जिनमें दो इजराइली और पांच थाई नागरिक शामिल हैं। इन बंधकों को गाजा पट्टी में युद्ध रोकने के लिए इजराइल और हमास के बीच हुए संघर्ष-विराम समझौते के तहत रिहा किया गया है। 19 जनवरी से प्रभावी संघर्ष-विराम से क्षेत्र में लड़ाई थमने के साथ ही मदद सामग्री की आपूर्ति बढ़ गई है। संघर्ष-विराम समझौते के शुरुआती छह हफ्तों में लगभग 2,000 फलस्तीनी कैदियों को रिहाई के

पुणे में बढ़ा जीबीएस का कहर, बीमारी से 36 वर्षीय व्यक्ति की अस्पताल में तोड़ा दम

मुंबई गुडलेन-बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) से पीड़ित 36 वर्षीय व्यक्ति की पुणे के नागरिक अस्पताल में मौत हो गई। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि इस व्यक्ति की मौत के साथ ही राज्य में जीबीएस से मरने वालों की संख्या तीन हो गई है। कैब ड्राइवर के रूप में काम करने वाले इस मरीज को 21 जनवरी को पिंपरी चिंचवाड़ के यशवंतराव चव्हाण मेमोरियल अस्पताल (वाईसीएमएच) में भर्ती कराया गया था। पिंपरी चिंचवाड़ नगर निगम के मुताबिक, वाईसीएमएच में एक विशेषज्ञ समिति ने मामले में गंभीरता से जांच की है। समिति ने पाया कि मौत का कारण निमोनिया के कारण श्वसन तंत्र का कमजोर होना था। इस वजह से सांस लेने में गंभीर कठिनाई हुई। समिति ने उल्लेख किया कि 22 जनवरी को उस पर तंत्रिका चालन परीक्षण किया गया था, जिसमें मरीज के जीबीएस संक्रमित होने का भी पता चला था। स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक, राज्य में जीबीएस के संदिग्ध मामलों की संख्या बढ़कर 130 हो गई है। इससे पहले बुधवार को पुणे में 56 वर्षीय एक महिला की जीबीएस से मौत होने की बात कही गई थी। वहीं, सोलापुर के एक 40 वर्षीय व्यक्ति की 26 जनवरी को जीबीएस की वजह से मौत हुई थी।

गिलियन बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) के बारे में जानिए गिलियन बैरे सिंड्रोम एक ऐसी स्थिति है जिसमें आपके ही शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली तंत्रिकाओं पर अटैक कर देती है। इस वजह से मरीजों को कमजोरी, सूज होने या फिर लकवा मारने जैसे दिक्कतें हो



सकती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ जीबीएस की समस्या को मेडिकल इमरजेंसी के तौर पर देखते हैं, जिसमें रोगी को तुरंत उपचार की आवश्यकता होती है। इलाज न मिलने पर जान जाने का भी खतरा हो सकता है। क्लीवलैंड क्लिनिक की रिपोर्ट पर नजर डालें तो पता चलता है कि दुनियाभर में हर साल लगभग एक लाख लोगों को ये समस्या होती है, हालांकि ये दिक्रत क्यों होती है इसका सटीक कारण अभी तक ज्ञात नहीं है। अगर समय पर रोग का इलाज हो जाए तो इससे आसानी से ठीक हो सकते हैं। **गुलियन-बैरे सिंड्रोम के क्या लक्षण होते हैं?** मेडिकल रिपोर्ट्स के मुताबिक ये बीमारी आपके पेरीफेरल नर्वस को अटैक करती है। ये तंत्रिकाएं मांसपेशियों की गति, शरीर में दर्द के संकेत, तापमान और शरीर को छूने पर होने वाली संवेदनाओं का एहसास कराती हैं। इन तंत्रिकाओं को होने वाली क्षति के कारण आपको कई तरह की दिक्कतें हो सकती हैं। हाथ और पैर की उंगलियों, टखनों या कलाई में सुई चुभने जैसा एहसास।

पैरों में कमजोरी जो शरीर के ऊपरी हिस्से तक फैल सकती है। चलने या सीढ़ियों में असमर्थ होना। बोलने, चबाने या निगलने में परेशानी होना। पेशाब पर नियंत्रण न रह जाना या हृदय गति का बहुत बढ़ जाना। अस्वीकरण- अगर उजाला की हेल्थ एवं फिटनेस कैटेगरी में प्रकाशित सभी लेख डॉक्टर, विशेषज्ञों व अकादमिक संस्थानों से बातचीत के आधार पर तैयार किए जाते हैं। लेख में उल्लेखित तथ्यों व सूचनाओं को अमर उजाला के पेशेवर पत्रकारों द्वारा जांचा व परखा गया है। इस लेख को तैयार करते समय सभी तरह के निर्देशों का पालन किया गया है। संबंधित लेख पाठक की जानकारी व जागरूकता बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है। अमर उजाला लेख में प्रदत्त जानकारी व सूचना को लेकर किसी तरह का दावा नहीं करता है और न ही जिम्मेदारी लेता है। उपरोक्त लेख में उल्लेखित संबंधित बीमारी के बारे में अधिक जानकारी के लिए अपने डॉक्टर से परामर्श लें।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में सैनिक सहित 6 लोगों का अपहरण



पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अज्ञात बंदूकधारियों ने दो अलग-अलग घटनाओं में छह लोगों का अपहरण कर लिया। अपहृत में एक अर्धसैनिक बल का एक जवान भी शामिल है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पहली घटना में हथियारबंद लोग दो वाहनों में आए और हवा में गोलियां चलाते हुए जबरन पांच नागरिकों को अपने साथ ले गए। उसने बताया कि अपहृत लोग उत्तरी वजीरिस्तान के शिवा तहसील के मीर अली सब-डिवीजन के अतर्गत आने वाले हसन खेल गांव में बिजली के खंभे ठीक कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि एक अन्य घटना में,

अर्धसैनिक बल का एक जवान बाजार से लौटते समय अगवा कर लिया गया। पुलिस ने इलाके में कई व्यापक तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। अब तक किसी भी संगठन ने अपहरण की जिम्मेदारी नहीं ली है। इस क्षेत्र में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) सक्रिय है,

जिसे पहले भी ऐसे अपहरणों के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। टीटीपी की स्थापना 2007 में कई आतंकवादी संगठनों के गठबंधन के रूप में हुई थी और इसे अल-कायदा का करीबी माना जाता है। इस संगठन को पाकिस्तान में कई घातक हमलों के लिए जिम्मेदार माना जाता है।

अमेरिका में साल 2023 में वीजा खत्म होने के बाद अवैध रुकने वालों में सबसे ज्यादा भारतीय छात्र

अमेरिकी सांसदों को एक विशेषज्ञ ने बताया है कि 2023 में भारत के 7,000 से अधिक छात्र और आगंतुक अमेरिका में निर्धारित समय से अधिक अवधि तक ठहरे। उन्होंने देश की आब्रजन नीतियों में कई सुधारों का सुझाव दिया, जिनमें एच-1बी वीजा से संबंधित सुधार भी शामिल हैं। 'सेंटर फॉर इमिग्रेशन क्हा, मैं अपने बच्चों से माफ़ी मांगना चाहती हूँ, बस इतना ही। यह मामला माता-पिता की करुता का एक भयावह उदाहरण है, जिसने पूरे फ्रांस को झकझोर कर रख दिया है।

वालों में सबसे अधिक संख्या एफ और एम श्रेणी के वीजा धारकों की रही। एफ-1 के तहत वीजा में किसी व्यक्ति को किसी मान्यता प्राप्त कॉलेज, विश्वविद्यालय, सेमिनरी, कंजर्वेटरी, अकादमिक हाई स्कूल, प्राथमिक विद्यालय या अन्य शैक्षणिक संस्थान या भाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम में पूर्णकालिक छात्र के रूप में अमेरिका में रहने की अनुमति मिलती है। एम-1 वीजा भाषा प्रशिक्षण के अलावा व्यावसायिक या अन्य गैर-शैक्षणिक कार्यक्रमों में अध्ययनरत छात्रों को

मिलता है। वॉन ने बुधवार को कहा, चार देशों ब्राजील, चीन, कोलंबिया और भारत के दो-दो हजार से अधिक नागरिक 2023 में छात्र/एक्सचेंज वीजा की अवधि से अधिक समय तक ठहरे। इन देशों में भारतीयों की संख्या सबसे अधिक (7,000) है। उन्होंने कहा कि वीजा जारी करने की नीतियों में समायोजन की आवश्यकता है और आंतरिक प्रवर्तन को मजबूत किया जाना चाहिए। इसके अलावा, संसद को कई महत्वपूर्ण तरीकों से कानून में संशोधन करना चाहिए।

हमास ने फिर किया धोखा ! 8 के बजाय सात इजराइली बंधक किए रिहा, साथ में दिए बैग और सर्टीफिकेट

बदले कुल 33 इजराइली बंधकों को छोड़ा जाना है। इजराइल ने कहा है कि उसे हमास की ओर से सूचना मिली है कि आठ इजराइली बंधक या तो सात अक्टूबर 2023 के हमले में मारे गए थे या फिर उनकी हमास के कब्जे में मौत हो गई। इजरायल को गुरुवार को गाजा में हमास की गिरफ्त से रिहा होने वाले बंधकों की एक लिस्ट मिली जिसमें तीन इजरायली और पांच थाई नागरिकों के नाम शामिल हैं। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने एक बयान में कहा कि बंधकों के तीसरे बैच की रिहाई से पहले

फिलिस्तीनी सशस्त्र समूह ने मध्यस्थों को उनकी सूची सौंप दी थी लेकिन रिहाई के वक्त 7 बंधक ही रिहा किए गए। समाचार एजेंसी सिन्हूआ की रिपोर्ट के मुताबिक, मैं मांरे गए थे या फिर उनकी हमास के कब्जे में मौत हो गई। इजरायल को गुरुवार को गाजा में हमास की गिरफ्त से रिहा होने वाले बंधकों की एक लिस्ट मिली जिसमें तीन इजरायली और पांच थाई नागरिकों के नाम शामिल हैं। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने एक बयान में कहा कि बंधकों के तीसरे बैच की रिहाई से पहले

गाजा में रेड क्रॉस के हवाले कर दिया है। हमास-इजराइल के बीच 19 जनवरी को हुए संघर्ष विराम समझौते के तहत बृहस्पतिवार को उन्हें रिहा किया गया। संघर्ष विराम समझौते का मकसद इजराइल और हमास के बीच विनाशकारी युद्ध को खत्म करना है। समझौते के शुरुआती छह सप्ताह में कुल 33 इजराइली बंधकों और लगभग 2,000 फलस्तीनी कैदियों को रिहाई होनी है। इजराइल ने कहा है कि उसे हमास की ओर से सूचना मिली है कि उनमें से आठ बंधकों की मौत हो चुकी है।